■ आषाढ़ शुक्ल - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 337 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 06-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

श्री अमर ज्येष्ठतारक पुष्कर सद्गुरुभ्यों नमः　　श्री महावीराय नमः　　श्री आत्मानंद देवेन्द्र शिव महेन्द्र सद्गुरुभ्यों नमः

दक्षिणार्धे, भारत वर्ष बेंगलूरु नगरे

एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक सेवा साधना प्रकल्प

श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र का भव्यातिभव्य उद्घाटन एवं आध्यात्मिक चातुर्मासिक मंगल प्रवेश आमंत्रण

पुष्करकुल, कमल दिवाकर, राष्ट्रसंत दक्षिण सम्राट पंडित रत्न, घोर तपस्वी, उपप्रवर्तकपूज्य गुरुदेव **श्री नरेशमुनिजी म.सा.**, शासन रत्न, युवा मनीषी, मधुर गायक पूज्य गुरुदेवश्री **शालिभद्रमुनिजी म.सा.** आदि ठाणा 2 मरुधर सिंहनी, दक्षिण दीपिका, संयम शिरोमणि, उपप्रवर्तिनी, पूज्य गुरुवर्या **श्री सत्यप्रभाश्रीजी म.सा**. आदि ठाणा 6, दक्षिण सिंहनी, स्वर्ण संयम आराधिका श्रमणी सूर्या, गुरुवर्या स्पष्ट वक्ता उपप्रवर्तिनी गुरुवर्या **डॉ श्री दर्शनप्रभाजी म.सा.**आदि ठाणा 4, तपसूर्या गुरुवर्या **श्री सुप्रभाजी म.सा.** आदि साध्वी समुदाय

पुष्कर भवन उद्घाटन कार्यक्रम आज

आषाढ़ सुदि 11 रविवार, 06.07.2025 : उद्घाटन कार्यक्रम

प्रातः 9 बजे : श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र का भव्य उद्घाटन समारोह

सुबह 7.30 बजे से सूर्यास्त तक : फलेचुन्दड़ी,
सुबह 10 बजे : भवन के हॉल, अतिथि कक्ष एवं अन्य लाभार्थी परिवार का बहुमान
दोपहर 2 बजे : भक्ति भावना , कमलेश एंड पार्टी द्वारा,
सायं 6.30 बजे भक्ति संध्या : विख्यात संगीतकार वैभव बागमार द्वारा

फलेचुंदड़ी के लाभार्थी (बहुमान : प्रात : 10.00 बजे)

मातुश्री स्व. श्रीमती सोनीबाई एवं स्व. श्री केसरीमलजी बड़ेरा, स्व. श्रीमती मैनाबाई एवं स्व. श्री सम्पतराजजी,स्व, श्रीमती शांतिबाई स्व. श्रीमती निर्मलाबाई बडेरा के दिव्य आशीष से शा. मदनलालजी, प्रकाशचन्दजी, माणकचन्दजी, अशोककुमारजी, आनंदकुमारजी महेन्द्रकुमारजी, विमलकुमारजी, सज्जनकुमारजी, मोतीलालजी, गौतमकुमारजी, हीरालालजी, पन्नालालजी, सिद्धार्थकुमारजी ऋषभ, मैदांश, कनिष्क, आदित्य, यश, जिनेश, आर्यन, दिव्यांश, नीव बडेरा परिवार, (मरुधर में दुन्दाड़ा)

फर्म : केसरीमल मदनलाल बडेरा, सम्पत ज्वेलर्स, पंचकेसरी बडेरे ज्वेलर्स, बेंगलूरु

लिफ्ट, ट्रस्टी, भवन के मुख्य लाभार्थी, रिसेप्शन हॉल के लाभार्थी (बहुमान : प्रात : 10.30 बजे)

मातुश्री स्व. श्रीमती भंवरीबाई धर्मपत्नी स्व. श्री घेवरचन्दजी छोगालालजी रांका की पुण्य स्मृति में अशोककुमारजी, महेन्द्रकुमारजी, प्रीतेशकुमार एवं समस्त रांका परिवार, मरुधर में गढ़ सिवाना, **फर्म : महेश हार्डवेयर एंड पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरु**

भवन उद्घाटन के लाभार्थी (बहुमान : प्रात : 9.45 बजे)

मातुश्री स्व. श्रीमती कमलादेवी एवं पूज्य पिताश्री स्व. श्री भीकमचन्दजी, भ्राता स्व. श्री शांतिलालजी सालेच्छा के दिव्य आशीष से पारसमलजी, शांतिलालजी, सुरेन्द्रकुमारजी, रतनकुमारजी, महेन्द्रकुमारजी, विमलकुमारजी, सुशीलकुमारजी, पीयूषजी, वीर, दर्शिल, नमन एवं समस्त सालेच्छा परिवार, मरुधर में मजल,

फर्म : राजधानी पेपर बोर्ड प्रा. लि., बेंगलूरु, दिल्ली, हैदराबाद

मुख्य प्रवचन हॉल के लाभार्थी परिवार (बहुमान : प्रात : 11.00 बजे)

पूज्यनीय पिताजी स्व. श्री जवरीलालजी एवं भ्राता स्व. श्री प्रकाशचन्दजी रातड़िया के दिव्य आशीष से एवं पूज्यनीय मातुश्री श्रीमती शांतिदेवीजी रातड़िया की सदप्रेरणा से शा. उत्तमचन्दजी, पदमराजजी, मनीषजी, नितेशजी, राहुलजी, चिरागजी, युग, चिस्टा एवं समस्त रातड़िया परिवार, सोजत-पाली**फर्म : सुमन इलेक्ट्रिक उद्योग प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरु**

ट्रस्टी, श्रमण, श्रमणी पुष्प जवाहर ब्लॉक, भवन वाहन, ब्लॉक सिढ़ी के लाभार्थी परिवार (बहुमान : प्रात : 12.30 बजे)

मातुश्री स्व. श्रीमती पुष्पादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री जवाहरलालजी नरसिंगमलजी गणधर चौपड़ा की पुण्य स्मृति में दिलीककुमारजी, वसंतकुमारजी, गौरवजी, मंयकजी प्रणव एवं समस्त गणधर चौपड़ा परिवार, मरुधर में कानाना

फर्म : महेश पाइप्स सेन्टर, होसूर, सेलम, मदुरई, वेल्लूर, तिरुवनमल्लई, बेंगलूरु

रांका रिसेप्शन हॉल के लाभार्थी (बहुमान : प्रात : 11.15 बजे)

स्व. श्री वंशराजजी एवं स्व. श्रीमती भंवरीबाई रांका के दिव्य आशीष से स्व. श्रीमती सुशीलादेवी रांका की स्मृति में बाबूलालजी, अशोकजी, पवनजी, विक्रमजी, शेषजी एवं समस्त रांका परिवार,मरुधर में गढ़ सिवाणा, **फर्म : रांका स्टील्स, बेंगलूरु-अहमदाबाद**

वृहत बहु उपयोगी डायनिंग हॉल के लाभार्थी परिवार

मातुश्री स्व. श्रीमती पानीदेवी एवं स्व. श्री घेवरचन्दजी पारेख के दिव्य आशीष से शा. वगतारमलजी, माणकचन्दजी, जोरावरमलजी, महावीरचन्दजी, प्रतीकजी, राजेन्द्रजी, मनीषजी, अंकितजी, पदमजी नींव, दीव, राजवीर एवं समस्त पारेख परिवार, मरुधर में समदड़ी

फर्म : वी. जी. पारेख एंड कम्पनी, विजयपुर, मेसर्स पारख इन्फ्रा, विजयपुर

दोपहर की भक्ति के लाभार्थी

महावीरचन्दजी, श्रीपालजी, सुदर्शनजी, ध्विज, खियाना, त्रिथव, थिया एवं समस्त मेहता परिवार, मरुधर में भांवरी, पाली

शुभश्री क्लाथिंग प्रा लि, लक्ष्य क्लाथिंग इंडिया, बेंगलूरु

रात्रि की भक्ति के लाभार्थी

नेमीचन्दजी, कमलेशकुमारजी, तुषारकुमारजी, हिरेनजी, हितेनजी, मेघ शांति एवं समस्त सालेचा परिवार, मरुधर में मजल

फर्म : राजकुमार दि कार्ड शॉप, बेंगलूरु

चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम कल

आषाढ़ सुदि 12, सोमवार, 07.07.2025 : चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम

सुबह 7.30 बजे से9.30 बजे तक : सुबह की नवकारशी

प्रात: 9.01 बजे : अक्कीपेट स्थानक भवन से गुरुभगवंत एवं साध्वीश्री भगवंत सकल संघ के साथ प्रस्थान

प्रात: 9.30 बजे : चातुर्मास प्रवेश, ध्वजारोहण एवं गुरुभगवंतों का प्रवचन (गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश नगरी में)

प्रात: 11.30 से दोपहर 2.00 बजे तक : सुबह की नवकारशी एवं सायं 4.30 बजे से 6.15 बजे : शाम की नवकारशी

ध्वजारोहण के लाभार्थी

मातुश्री स्व. श्रीमती पानीदेवी एवं स्व. श्री घेवरचन्दजी पारेख के दिव्य आशीष से शा. वगतारमलजी माणकचन्दजी, जोरावरमलजी, महावीरचन्दजी, प्रतीकजी, राजेन्द्रजी, मनीषजी, अंकितजी, पदमजी नींव, दीव, राजवीर, नियती, निष्ठा, रीत एवं समस्त पारेख परिवार, मरुधर में समदड़ी

फर्म : वी. जी. पारेख एंड कम्पनी, विजयपुर, मेसर्स पारख इन्फ्रा, विजयपुर

सुबह के नवकारशी के लाभार्थी

मातुश्री स्व. श्रीमती शांतिदेवी-स्व. श्री चम्पालालजी पालरेचा के पुण्य स्मृति में श्री केवलचन्दजी,सुरेशजी, रमेशजी, दिनेशजी, राजेशजी, अंकितजी, धीर, जिया बेटापोता स्व. श्री कुंदनमलजी पालरेचा परिवार मरुधर में दुन्दाड़ा

फर्म : मातुश्री गोल्ड, बेंगलूरु

दोपहर के नवकारशी के लाभार्थी

मातुश्री स्व. श्रीमती पुष्पादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री जवाहरलालजी नरसिंगमलजी गणधर चौपड़ा की पुण्य स्मृति में दिलीककुमारजी, वसंतकुमारजी, गौरवजी, मंयकजी प्रणवजी एवं समस्त गणधर चौपड़ा परिवार, मरुधर में कानाना

फर्म : महेश पाइप्स सेन्टर, होसूर, सेलम, मदुरई, वेल्लूर, तिरुवनमल्लई, बेंगलूरु

शाम के नवकारशी के लाभार्थी

पूजनीय पिताजी स्व. श्री पारसमलजी, नरसिंगमलजी खांटेड़ के दिव्य आशीष से, मातुश्री श्रीमती सुखीदेवी के शुभ आशीर्वाद से अशोककुमारजी, राजेन्द्रकुमारजी, प्रतीकजी, गौरवजी, मोक्षजी एवं समस्त खांटेड़ परिवार, मरुधर में गेलावास

फर्म : एम्पलाईट इलेक्ट्रानिक्स प्रा. लिमिटेड , बेंगलूरु

चातुर्मास में सम्पूर्ण गौतमप्रसादी के लाभार्थी

पूज्य पिताजी स्व. श्री धींगड़मलजी एवं मातुश्री स्व. श्रीमती प्यारीबाई भंसाली की पुण्य स्मृति में श्री घेवरचन्दजी मीठालालजी, दीपचन्दजी अरुणकुमारजी, भरतकुमारजी भंसाली, मीठालालजी, भरतकुमारजी मिशांतजी कुशजी, कृति एवं समस्त भंसाली परिवार, मरुधर में करमावास **फर्म : मरक्यूरी पेपर एजेन्सीज्, बेंगलूरु**

चातुर्मास में सम्पूर्ण गौतमप्रसादी के लाभार्थी

पूजनीय पिताजी स्व. श्री मेघराजजी सालेचा के दिव्य आशीष से एवं मातुश्री श्रीमती शांतिदेवी की सद्प्रेरणा एवं शुभआशीर्वाद नेमीचन्दजी, कमलेशकुमारजी, तुषारकुमारजी, हिरेनजी, हितेनजी, मेघ शांति एवं समस्त सालेचा परिवार, मरुधर में मजल

फर्म : राजकुमार दि कार्ड शॉप , बेंगलूरु

सम्पूर्ण चातुर्मास में तप अनुमोदना के लाभार्थी

मातुश्री श्रीमती इमरतीबाई. स्व. श्री मूलचन्दजी मेहता के दिव्य आशीष से महावीरचन्दजी, श्रीपालजी, सुदर्शनजी, ध्विज, खियाना, त्रिथव, थिया एवं समस्त मेहता परिवार, मरुधर में भांवरी, पाली

फर्म : शुभश्री क्लाथिंग प्रा लि, लक्ष्य क्लाथिंग इंडिया, होनेस्ट होम, बेंगलूरु

सम्पूर्ण कार्यक्रम स्थल : SVG Global Mill Ltd. (Binni Mill Ground) #59, Binni Mill Road, Near Ayyappa Temple Circle, Bangalore-23

आयोजक - श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास व्यवस्था समिति, बेंगलूरु

निमंत्रक : श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) बेंगलूरु

अध्यक्ष : नेमीचन्द सालेचा | **महामंत्री - महावीरचन्द मेहता** | **खंजाची : सुरेन्द्र गोलेच्छा**

सहयोगी संगठन : ● श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन सेवा संगठन ● श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन महिला मंडल ● श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन युवती मंडल

सहज स्मृति योग

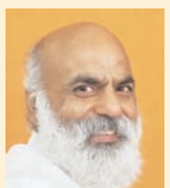

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, शब्द और नाम में क्या अंतर है ?

उत्तर: हर शब्द नाम नहीं होता जबकि हर नाम एक शब्द ही होता है। पर, प्रश्न आप आध्यात्मिक व्यक्ति से पूछ रहे हैं, स्पष्ट है कि व्याकरण की दृष्टि से नहीं पूछ रहे होंगे। अतः हमारा आपका आध्यात्मिक चैतन्य के क्षेत्र में रह संवाद करना ही व्यवहार की मर्यादा में रहना है ताकि समाधान आध्यात्मिक मिले।शब्द और नाम में अंतर तो है पर केवल उसी सीमा तक है जिस सीमा तक व्याकरण है। और, व्याकरण का अस्तित्व भाषा के बैखरी रूप तक ही सीमित है।परा स्वरूप में ना ही शब्द ना ही नाम उस रूप और अर्थ में है जिस रूप और अर्थ में वह बैखरी में होता है। उस अवस्था में नाम–शब्द में कोई अंतर नहीं है।

भारत का पहला राष्ट्रीय सहकारी विवि क्षेत्र में भाई-भतीजावाद को समाप्त करेगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आणंद/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि गुजरात में सहकारी क्षेत्र के लिए बनने वाला देश का पहला राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भाई–भतीजावाद को समाप्त करने का काम करेगा क्योंकि भविष्य में इस क्षेत्र में केवल प्रशिक्षित व्यक्तियों को ही नौकरी मिलेगी।

शाह आणंद कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान के परिसर में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय (टीएसयू) की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय का नाम दिवंगत त्रिभुवनदास किशीभाई पटेल के नाम पर रखा गया है, जो भारत में सहकारी आंदोलन के अग्रणी नेताओं में से एक थे और जिन्होंने अमूल की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। टीएसयू का निर्माण 500 करोड़ रुपए की लागत से 125 एकड़ पर किया जाएगा। 22 अक्टूबर 1903 को आणंद के खेड़ा में जन्मे पटेल का निधन तीन जून 1994 को हुआ था। उन्होंने कहा, ''विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में लगने वाले भाई–भतीजावाद के आरोपों को दूर करने का काम करेगा। अतीत के विपरीत भविष्य में केवल प्रशिक्षित लोगों को ही इस क्षेत्र में नौकरी मिलेगी। पहले लोगों को काम पर रखा जाता था और फिर प्रशिक्षित किया जाता था।'' शाह ने कहा कि विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में प्रशिक्षण की कमी को पूरा करेगा जिससे देश का हर चौथा व्यक्ति या कहें कि लगभग 30 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सहकारी क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और देश को अब प्रशिक्षित जनशक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टीएसयू इस विशाल शून्यता को भरेगा जिसने इस क्षेत्र की प्रगति को रोक दिया है। शाह ने विश्वविद्यालय का नाम श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन के नाम पर न रखे जाने संबंधी कुछ लोगों की टिप्पणियों पर कहा कि सहकारी क्षेत्र में उनकी भूमिका को कभी नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, ''पटेल साहब (त्रिभुवन पटेल) ने सहकारी आंदोलन की अलख जगाई... यह उनका ही दृष्टिकोण था कि यह क्षेत्र आज मजबूती से खड़ा है।'' शाह ने कहा कि पटेल ने ही कुरियन को नीदरलैंड में पढ़ने के लिए भेजा था। उन्होंने कहा कि जो लोग कहते हैं कि इस क्षेत्र में कुरियन के योगदान को मान्यता नहीं दी जा रही है, वे वही लोग हैं जिन्होंने उनकी जन्म शताब्दी मनाने के लिए कुछ नहीं किया। अमूल ही उनकी विरासत का जश्न मना रहा है। शाह ने कहा कांग्रेस के नेता जो इस तरह के सवाल उठा रहे हैं, उन्हें नहीं पता कि पटेल उनकी पार्टी से ही थे और उस समय भाजपा का अस्तित्व ही नहीं था।

हिमाचल में चारों राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं 2028 तक पूरी हो जाएंगी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को बिलासपुर में कहा कि हिमाचल प्रदेश में चार में से तीन राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण कार्य उन्नत चरण में है और इसके प्रमुख कार्य अगले दो वर्षों में पूरे हो जाएंगे। राज्य में करीब 2,593 किलोमीटर लंबे चार राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण 38,000 करोड़ रु. की अनुमानित लागत से किया जा रहा है।

संवाददाताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धन का उपयोग नहीं करने के लिए राज्य सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''तीन राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण का कार्य उन्नत चरण में है और प्रमुख कार्य वर्ष 2026 और वर्ष 2027 में पूरे हो जाएंगे, जबकि जिस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, वह वर्ष 2028 में पूरी हो जाएगी।'' उन्होंने कहा कि शिमला–मटोर राष्ट्रीय राजमार्ग को छोड़कर, जिसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है और जिसे वर्ष 2028 में पूरा करने की योजना है, परवाणू–शिमला, कीरतपुर–मनाली और पठानकोट–मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग वर्ष 2026 और वर्ष 2027 में पूरे हो जाएंगे। नड्डा ने राज्य सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण को उद्योगों के समान मानने, हर साल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य करने का मुद्दा उठाया, जिससे काम में देरी होती है और तर्क दिया कि क्रशर लगाना और मेटलिंग के लिए लकड़ी का कोयला जलाना अस्थायी है और काम पूरा होने के बाद बंद हो जाता है।

ठाकरे बंधुओं की रैली 'हिंदू विरोधी' और जिहादी सोच से प्रेरित : नितेश राणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने मुंबई में ठाकरे बंधुओं (उद्धव और राज) की संयुक्त रैली को लेकर शनिवार को उन पर निशाना साधते हुए इस रैली को 'हिंदू विरोधी' और जिहादी सोच से प्रेरित करार दिया।

राणे ने आरोप लगाया कि उद्धव और राज की इस संयुक्त रैली का उद्देश्य समाज को बांटना और राज्य को कमजोर करना है।

दो दशक के बाद उद्धव और राज ने शनिवार को सार्वजनिक मंच साझा किया और 'आवाज मराठीचा' नामक विजय सभा का आयोजन किया जिसका उद्देश्य राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को शामिल करने संबंधी सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाना था। राणे ने इस रैली से एक दिन पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, '' हम हिंदू हैं और मराठी होने पर गर्व करते हैं। जिस तरह से जिहादी हमारे समाज को बांटने की कोशिश करते हैं, ये लोग भी वैसा ही कर रहे हैं। चाहे वह हिंदू राष्ट्र के विचार के खिलाफ काम करने वाले (प्रतिबंधित) पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) हो या स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी), ये दोनों (उद्धव और राज ठाकरे) कोई अलग नहीं हैं। ये लोग महाराष्ट्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे ने ठाकरे बंधुओं की संयुक्त रैली पर निशाना साधते हुए कहा, ''वर्ली की सभा का उद्देश्य हिंदुओं और मराठी लोगों को बांटना है। इसकी तुलना ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), पीएफआई या सिमी की रैलियों से की जा सकती है। इससे राज्य में हिंदुओं को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। रैली के बाद नल बाजार (मुंबई का एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र) में मिठाई बांटी जाएगी और पटाखे फोड़े जाएंगे।'' राज्य के मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री ने आरोप लगाया कि यह हिंदू विरोधी रैली है। नितेश राणे उद्धव ठाकरे के धुर विरोधी माने जाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के पुत्र हैं।

हालांकि, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने ठाकरे बंधुओं की रैली को लेकर अलग विचार व्यक्त किए।

जम्मू कश्मीर में पांच बसों की टक्कर में 36 श्रद्धालु मामूली रूप से घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामबन/जम्मू/भाषा। जम्मू–कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार को ब्रेक फेल होने के कारण एक बस के चार खड़ी बसों में टक्कर मार देने से अमरनाथ यात्रा पर जा रहे विभिन्न राज्यों के कम से कम 36 श्रद्धालु मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम आधार शिविर की ओर जा रहे काफिले का हिस्सा थीं।

सभी घायल व्यक्ति रामबन जिला अस्पताल में उपचार के बाद फिर से यात्रा में शामिल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास हुई। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना एक बस के ब्रेक फेल होने के कारण हुई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक बयान में कहा, चंद्रकूट में उस वक्त एक छोटी दुर्घटना हुई, जब पहलगाम जाने वाला एक वाहन ब्रेक फेल होने के कारण अन्य खड़े वाहनों से टकरा गया। उन्होंने कहा कि इस घटना में 36 तीर्थयात्रियों को मामूली चोटें आईं।

बयान में कहा गया कि प्रारंभिक उपचार के बाद तीर्थयात्रियों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्होंने यात्रा फिर से शुरू कर दी। उपराज्यपाल ने कहा, ''भगवान शिव के आशीर्वाद से सभी भक्त सुरक्षित हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी प्राथमिकता सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा है। संबंधित अधिकारियों को अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के वाहनों के लिए व्यापक सुरक्षा उपाय लागू करने और सभी प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा जांच सुनिश्चित करने एवं यात्रा मार्ग पर भोजन और दवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले उपराज्यपाल ने जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और रामबन के उपायुक्त मोहम्मद अलयास खान से बात की और उन्हें घायल तीर्थयात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने को कहा।

राजभवन के एक प्रवक्ता ने बताया कि सिन्हा ने वरिष्ठ अधिकारियों को सतर्क रहने तथा तीर्थयात्रियों की परेशानी–मुक्त यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा है। उपराज्यपाल ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की।

मुंबई हवाई अड्डे पर यात्री के बैग से 45 जानवर बरामद, दम घुटने से कई मरे

मुंबई/भाषा। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार को एक यात्री से 'रैकून', काली लोमड़ी और 'इगुआना' समेत 45 जंगली जानवर जब्त किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इस यात्री को तड़के थाई एयरवेज की उड़ान से यहां पहुंचने पर पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि बैग की तलाशी लेने सीमा शुल्क विभाग की टीम ने 45 जानवर मिले किए, जिनमें 'रैकून', 'हाइरिक्स (जो खरगोश जैसे दिखते हैं)', काली लोमड़ी और 'इगुआना' आदि शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि जिस तरह से इन जानवरों को तस्करी के जरिए लाया जा रहा था, उससे एवं दम घुटने से उनमें से कई जानवर मर चुके थे।

अधिकारी ने बताया कि 'रेसक्विंक एसोसिएशन फोर वाइल्डलाइफ वेलफेयर' के विशेषज्ञों ने जानवरों की देखभाल और उन्हें स्थिर करने में मदद की, जिन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उनके मूल देश में वापस भेज दिया जाएगा।

तख्त पटना साहिब ने सुखबीर सिंह बादल को 'तनखैया' घोषित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। बिहार स्थित तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदारों ने शनिवार को शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल को उनके समक्ष उपस्थित न होने और निर्देशों की अनदेखी करने के लिए 'तनखैया' (धार्मिक दंड का दोषी) घोषित किया।

तख्त श्री पटना साहिब सिख धर्म की पांच प्रमुख धार्मिक तख्त में से एक है। अमृतसर में अकाल तख्त सर्वोच्च धार्मिक तख्त है। पिछले साल अगस्त में अकाल तख्त ने बादल को 'तनखैया' घोषित किया था। उन्हें दिसंबर में पंजाब में शिरोमणि अकाली दल सरकार द्वारा 2007 से 2017 तक की गई 'गलतियों' के लिए धार्मिक सजा (तनखाह) दी गई थी। तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदार और मुख्य 'ग्रंथी' ज्ञानी बलदेव सिंह ने बिहार के पटना में बादल को 'तनखैया' घोषित करने का फैसला सुनाया। बलदेव सिंह ने निर्देश में कहा कि अकाल तख्त के जत्थेदार और तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ने 21 मई को स्थापित मानदंडों, संविधान को चुनौती देकर और तख्त श्री पटना साहिब के अधिकार में अनुचित हस्तक्षेप करके एक 'अनधिकृत और असंवैधानिक'' निर्णय जारी किया था। उन्होंने कहा, ''हमें इस पूरे घटनाक्रम में षड्यंत्रकारी के रूप में आपकी (बादल) संलिप्तता के बारे में जानकारी मिली थी। आपको अपना पक्ष रखने के लिए दो मौके दिए गए, लेकिन आप उपस्थित नहीं हुए।'

संयुक्त रैली में उद्धव ने 'रुदाली' जैसा भाषण दिया : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पंढरपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि उद्धव ने संयुक्त रैली में 'रुदाली' (पेशेवर शोकसभा) जैसा भाषण दिया।

फडणवीस ने दोनों चचेरे भाइयों (उद्धव और राज ठाकरे) को फिर से मिलाने का श्रेय उन्हें देने के लिए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे को धन्यवाद दिया। इससे पहले, दो दशकों के बाद उद्धव और राज ने सार्वजनिक मंच साझा किया और 'आवाज मराठीचा' नामक एक विजय सभा आयोजित की जो राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाने के लिए की गई। जनसभा को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने मजाकिया अंदाज में फडणवीस को दोनों चचेरे भाइयों को एक साथ लाने का श्रेय दिया। फडणवीस ने उद्धव पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''आज बालासाहेब ठाकरे मुझे आशीर्वाद दे रहे होंगे। मुझे बताया गया था कि यह एक 'विजय' रैली होनी थी, लेकिन यह 'रुदाली' भाषण निकला।'' 'रुदाली' शब्द कुछ क्षेत्रों में विशेष रूप से राजस्थान में पेशेवर महिला शोक–संतप्तों को कहा जाता है। इन क्षेत्रों में विशेष रूप से उच्च जाति के परिवारों में उन्हें अंतिम संस्कार के दौरान सार्वजनिक रूप से शोक व्यक्त करने के लिए रखा जाता था।

कानून और संविधान की व्याख्या समाज की आवश्यकताओं के अनुसार व्यावहारिक होनी चाहिए : न्यायमूर्ति गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को कहा कि कानून या संविधान की व्याख्या ''व्यावहारिक'' होनी चाहिए और वह समाज की जरूरतों के अनुकूल होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति गवई ने यहां मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में कहा कि हाल में उन्हें ''कुछ सहकर्मियों'' के अशिष्ट व्यवहार के बारे में शिकायतें मिली थीं और उन्होंने न्यायाधीशों से संस्थान की प्रतिष्ठा की रक्षा करने का आग्रह किया। उच्चतम न्यायालय के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि किसी भी कानून या संविधान की व्याख्या ''वर्तमान पीढ़ी के सामने आने वाली समस्याओं'' के संदर्भ में की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''व्याख्या व्यावहारिक होनी चाहिए। यह समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए।'' न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायाधीशों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने विवेक और कानून के अनुसार काम करें, लेकिन ''मामले का फैसला हो जाने के बाद उन्हें कभी विचलित नहीं होना चाहिए।'' न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में बात करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ''किसी भी कीमत पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए''। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालयों में नियुक्तियां करते समय कॉलेजियम यह सुनिश्चित करता है कि योग्यता बनी रहे तथा विविधता और समावेशिता भी बनी रहे। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि हाल में उन्हें ''कुछ सहकर्मियों के अशिष्ट व्यवहार के बारे में बहुत सारी शिकायतें मिल रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''न्यायाधीश बनना दस से पांच बजे की नौकरी नहीं है, यह समाज की सेवा करने का मौका है। यह राष्ट्र की सेवा करने का मौका है।'' न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''कृपया ऐसा कुछ न करें, जिससे इस प्रतिष्ठित संस्थान की प्रतिष्ठा पर आंच आए, जिसकी प्रतिष्ठा कई पीढ़ियों के वकीलों और न्यायाधीशों की निष्ठा और समर्पण से बनी है।''

पंजाबी गायक मूसेवाला की हत्या में शामिल शूटर के भाई की अमृतसर में हत्या

अमृतसर/भाषा। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की मई 2022 में की गई हत्या में कथित तौर पर संलिप्त शूटर जगरूप सिंह रूपा के छोटे भाई की शनिवार को तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस ने रूपा को एक अन्य शूटर मनप्रीत सिंह के साथ जुलाई 2022 में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया था। पुलिस ने बताया कि चानन के गांव में 26 वर्षीय जुगराज सिंह की दिनदहाड़े नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी गई। अमृतसर (देहात) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मनिंदर सिंह ने बताया कि हमलावर मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए और दिनदहाड़े जुगराज को गोली मार दी। एसएसपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। उन्होंने भरोसा दिया कि हमलावरों के बारे में सुराग मिल गए हैं और जल्द ही गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि जुगराज के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसके बाद उसे उसके परिवार को सौंप दिया जाएगा।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक पंचमसाली महिला समाज द्वारा बिन्नी मिल रोड स्थित मारकंडेश्वर नगर में मारकंडेश्वर देवस्थान में एक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी का सम्मान है। यहां पर लोग नारी में देवी, मां, पत्नी, बहन जैसे पवित्र रिश्तों के दर्शन करते हैं। नारी घर गृहस्थी की जिम्मेदारी को निभाते हुए पुरुष का कंधे से कंधा मिलाकर साथ देती है। नारी हमेशा सम्मानीय होती है। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

न्यायमूर्ति वर्मा मामले की आंतरिक जांच की कोई संवैधानिक प्रासंगिकता नहीं : सिब्बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के मामले में उच्चतम न्यायालय की आंतरिक जांच रिपोर्ट की ''कोई संवैधानिक प्रासंगिकता नहीं'' है, क्योंकि जांच केवल न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत ही हो सकती है।

सिब्बल ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सरकार पर न्यायमूर्ति शेखर यादव को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने पिछले साल विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक कार्यक्रम में 'सांप्रदायिक टिप्पणी' करने के लिए न्यायाधीश यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस पर उनके हस्ताक्षर के कथित सत्यापन के लिए उनसे संपर्क करने के राज्यसभा सचिवालय के कदम पर सवाल उठाया। राज्यसभा सदस्य ने न्यायमूर्ति वर्मा मामले पर कहा, ''संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत, यदि राज्यसभा के 50 सदस्य या लोकसभा के 100 सदस्य किसी न्यायाधीश को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस देते हैं, तो न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत न्यायाधीश जांच समिति गठित की जाती है।'' वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने कहा कि लेकिन केवल संसद के पास ही ऐसी समिति गठित करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि संसद कानून बना सकती है, उस कानून के तहत जांच की जाएगी और जांच के बाद किसी न्यायाधीश के दुर्व्यवहार या अक्षमता पर निर्णय दिया जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में महाभियोग प्रस्ताव को पारित होने के लिए दो–तिहाई बहुमत से मंजूरी दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसलिए जांच न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत न्यायाधीशों की जांच समिति के अंतर्गत होनी चाहिए। सिब्बल ने कहा कि संविधान किसी भी आंतरिक प्रक्रिया को मान्यता नहीं देता है। उन्होंने कहा, ''आप किस आधार पर कह रहे हैं कि न्यायमूर्ति वर्मा दोषी हैं? मंत्री इस संबंध में टिप्पणियां कर रहे हैं।''

सैफ और उनके परिवार को 15,000 करोड़ रुपए की पैतृक संपत्ति मामले में झटका

फिर से सुनवाई का आदेश

जबलपुर/भाषा। अभिनेता सैफ अली खान व उनके परिवार को झटका देते हुए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने संपत्ति मामले में दो दशक पहले दिए गए अधीनस्थ अदालत के फैसले को खारिज कर दिया और मामले में फिर से सुनवाई का आदेश दिया है। सैफ अली और उनके परिवार को भोपाल के पूर्व शासकों की 15,000 करोड़ रु. की संपत्ति विरासत में मिली थी। तीस जून को दिये आदेश में, न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकल पीठ ने अधीनस्थ अदालत के फैसले और डिक्री को खारिज कर दिया, जिसमें पटौदी (सैफ अली, मां शर्मिला टैगोर और उनकी दो बहनों सोहा और सबा) को संपत्तियों का मालिक माना गया था। इसने निचली अदालत को एक साल के भीतर मामले की सुनवाई पूरी करने और फैसला देने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया। नवाब हमीदुल्लाह भोपाल रियासत के अंतिम शासक नवाब थे। उनकी और उनकी पत्नी मैमूना सुल्तान की तीन बेटियां – आबिदा, साजिदा और राबिया – थीं।

रेलवे पुलिस ने यात्री को तीन लाख रुपए से भरा बैग लौटाया

पालघर/भाषा। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कर्मचारी ने लोकल ट्रेन में 3.2 लाख रुपए से भरा बैग भूल गए एक व्यक्ति की पहचान कर इसे वापस किया। एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। जीआरपी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि, अभिषेक शुक्ला (30) शुक्रवार को सुबह करीब आठ बजे चर्चगेट जाने वाली ट्रेन से उतरते समय बोईसर स्टेशन पर अपना बैग भूल गए। अभिषेक ने तत्काल पुलिस नियंत्रण कक्ष में कॉल कर इसकी जानकारी दी। सफाले रेलवे स्टेशन पर जीआरपी कर्मियों को सूचना दी गई और जब ट्रेन वहां पहुंची तो उन्होंने बैग बरामद कर लिया। विज्ञप्ति में कहा कि उचित प्रक्रिया पूरी करने के बाद बैग शुक्ला को लौटा दिया गया, उन्होंने त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिसकर्मियों को धन्यवाद दिया।

■ आषाढ़ शुक्ल - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 337 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 06-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 खरगे ने वन क्षेत्र बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया

6 मेजर अमनदीप जाखड़ : ग्रेनेड धमाकों के बीच लगाई जान की बाज़ी, 5 आतंकवादियों को पहुंचाया परलोक

7 मैंने 'कन्नप्पा' के किरदार को छह महीने तक जीया : प्रीति मुकुंदन

फर्स्ट टेक

रूस में नौ-दिवसीय भारत उत्सव शुरू हुआ

मॉस्को/भाषा। कई भारतीय राज्यों की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रदर्शित करने वाला नौ-दिवसीय भारत उत्सव शनिवार को यहां क्रेमलिन के निकट शुरू हुआ। 'इंडिया फेस्ट' या भारत उत्सव के तहत भारतीय खाद्य पदार्थों और हस्तशिल्प के स्टॉल लगाए गए हैं। इस उत्सव का आयोजन यहां भारतीय दूतावास और रूस सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा स्थानीय अभियान 'मॉस्को समर' के तहत संयुक्त रूप से किया जाता है। भारत उत्सव का उद्घाटन करते हुए राजदूत विनय कुमार ने कहा कि दिल्ली, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु और नगालैंड समेत कई भारतीय राज्य नौ-दिवसीय उत्सव के दौरान नृत्य और कला के माध्यम से अपनी अनूठी संस्कृति और परंपराओं को प्रस्तुत कर रहे हैं।

रूस उस पर लगाए गए प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम : ट्रम्प

मॉस्को/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया है कि रूस का नेतृत्व उसके खिलाफ लगाये गये पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम रहा है। ट्रम्प ने कहा कि हाल ही में रूस के हमले के मद्देनजर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पता है कि उनके खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध आने वाले हैं। ट्रम्प ने विमान 'एयर फोर्स वन' में संवाददाताओं से कहा, वह (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि पुतिन के साथ हाल ही में हुई उनकी बातचीत में रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विषय विस्तार से उठाया गया था। उन्होंने कहा, हम प्रतिबंधों के बारे में बहुत बात करते हैं।

संजय भंडारी भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर शनिवार को ब्रिटेन में रह रहे हथियार कारोबारी संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। अदालत ने 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018' के तहत भंडारी को भगोड़ा घोषित किया। इस आदेश से संघीय जांच एजेंसी को मजबूती मिली है, क्योंकि अब ईडी भंडारी की करोड़ों रुपए की संपत्ति कुर्क कर सकेगी। हाल ही में ब्रिटेन की एक अदालत ने भंडारी के प्रत्यर्पण के खिलाफ फैसला सुनाया था, जिसके बाद उसके भारत आने की संभावनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं। वर्ष 2016 में आयकर विभाग द्वारा दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद भंडारी (63) लंदन भाग गया था। आयकर विभाग ने काला धन रोधी अधिनियम, 2015 के तहत भंडारी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

सूर्यास्त 06-07-2025	सूर्योदय 07-07-2025
6:50 बजे	5:59 बजे

BSE	NSE
83,432.89	25,461.00
(+193.42)	(+55.70)

सोना	चांदी
10,014 रु.	109,575 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चत्वारि कालखण्ड

सतयुग से त्रेता युग तक था,
सच्चे लक्षण का कालखण्ड।
द्वापर से कलयुग आदि रहा,
हित संरक्षण का कालखण्ड।
आजादी तक का समय रहा,
शोषण भक्षण का कालखण्ड।
नब्बे के दशक बाद का है,
बस आरक्षण का कालखण्ड।।

पुरी में भगवान जगन्नाथ यात्रा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओड़िशा के पुरी में शनिवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर आध्यात्मिक उत्साह से सराबोर लाखों श्रद्धालु आज भगवान जगन्नाथ की 'बाहुदा यात्रा' (वापसी रथ उत्सव) देखने के लिए तीर्थ नगरी पुरी में उमड़ पड़े।

भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के रथों को भक्तों द्वारा खींचा गया, जिससे पूरा भव्य मार्ग 'जय जगन्नाथ' के नारों और झांझ की थाप के बीच गूंज उठा। तीनों देवता 27 जून को रथ यात्रा के दौरान जगन्नाथ मंदिर से निकले और अपना जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर पहुंचे। वे वहां एक सप्ताह तक रहे और जगन्नाथ मंदिर लौट आए।

रथयात्रा में शहर में सुरक्षा के लिए कई स्तर के प्रबंध किए गए थे और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई थी ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पौराणिक कथाओं के अनुसार तीनों देवता अपने जन्मस्थान श्री गुंडिचा मंदिर में अपने वार्षिक नौ दिवसीय प्रवास को समाप्त करते हैं और अपने भव्य रथों पर सवार होकर श्री जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। आधार पना (एक विशेष पेय) अनुष्ठान के बाद देवता 'नीलाद्री बिजे' में जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेंगे जो रथ यात्रा का समापन होगा।

भारतीय टीम का बांग्लादेश दौरा सितंबर 2026 तक स्थगित

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आपसी सहमति से बांग्लादेश और भारत के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सफेद गेंद की श्रृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने पर सहमति व्यक्त की। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय टीम को चटगांव और ढाका में 17 से 31 अगस्त तक तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को खेलना था। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''दोनों बोर्डों के बीच चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसमें दोनों टीमों की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है।'' बीसीबी ने कहा कि श्रृंखला का नया कार्यक्रम 'उचित समय पर' घोषित किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''बीसीबी इस बहुप्रतीक्षित श्रृंखला के लिए सितंबर 2026 में भारत का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। दौरे के लिए संशोधित तारीखों और कार्यक्रमों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।'' दोनों बोर्डों ने श्रृंखला को टालने का कारण कार्यक्रम में असुविधाओं को कारण बताया लेकिन 'पीटीआई' ने चार जुलाई को रिपोर्ट दी थी कि बीसीसीआई बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति को लेकर आशंकित है।

पीएनबी धोखाधड़ी मामला :

नीरव मोदी का भाई निहाल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

■ निहाल मोदी पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े कथित 13,000 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में आरोपी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को सूचित किया कि निहाल मोदी को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मामले की सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है और उस सुनवाई में निहाल जमानत का अनुरोध कर सकता है, लेकिन अमेरिकी अभियोजक इसका विरोध करेंगे।

प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा संयुक्त रूप से किये गये प्रत्यर्पण अनुरोध पर यह कदम उठाया गया।

अमेरिकी अभियोजकों द्वारा प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो आरोपों पर की गई, जिसमें धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 3 के तहत धन शोधन का एक मामला और दूसरा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) व 201 (फरार होने) के तहत आपराधिक साजिश का मामला शामिल है।

मसूद अजहर पाकिस्तान में मौजूद नहीं : बिलावल

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने दावा किया है कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र की ओर से घोषित आतंकवादी मसूद अजहर के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। भुट्टो ने कहा कि भारत अगर पाकिस्तान में अजहर की मौजूदगी के बारे में जानकारी देता है तो पाकिस्तान उसे गिरफ्तार करने में 'खुशी' महसूस करेगा। उन्होंने अल जजीरा न्यूज चैनल को दिये साक्षात्कार में कहा कि हाफिज सईद पाकिस्तान में एक स्वतंत्र व्यक्ति नहीं है और मसूद अजहर अफगानिस्तान में हो सकता है।

गौरतलब है कि भटुटो की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) देश में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है और मसूद अजहर भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक है।

चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान समय की मांग है : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान समय की मांग है तथा उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति का लाभ उठाया जाना चाहिए। बिरला ने यहां 'इनोवेटिव फिजिशियन फोरम' के सातवें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अध्यक्ष ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती है। बिरला का यह भी कहना था कि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सफलतापूर्वक बढ़ाया गया है और इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि ये सेवाएं प्रत्येक देशवासी के लिए उपलब्ध हों। उन्होंने कहा, ''आज जहां विकसित देश बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, वहीं भारतीय डॉक्टर नवाचार और अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर विश्व में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सशक्त वैज्ञानिक प्रतिभा, सुदृढ़ अनुसंधान सुविधाएं और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में न केवल देश की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है, बल्कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर भी काम हो रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान के महत्व पर जोर देते हुए इसे समय की मांग बताया।

बिरला ने कहा, ''उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने और रोगियों की देखभाल में सुधार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति का लाभ उठाया जाना चाहिए। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना और चिकित्सा अनुसंधान में निवेश करना नये उपचार विकसित करने, रोगों की रोकथाम को बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य सेवा तंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।''

मुझे उम्मीद है कि मैं 30-40 साल और जीवित रहूंगा : दलाई लामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी की घोषणा को लेकर जारी अफवाहों पर एक प्रकार से विराम लगाते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह लोगों की सेवा के लिए 30-40 साल और जीवित रहेंगे।

मैकलोडगंज में मुख्य दलाई लामा मंदिर त्सुगलागखांग में रविवार को आयोजित होने वाले जन्मदिवस कार्यक्रम से पूर्व दीर्घायु प्रार्थना समारोह में तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि उन्हें ''स्पष्ट संकेत'' मिल रहे हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद उनके साथ है।

तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु ने कहा, ''कई भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जीवित रहूंगा। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं।''

दलाई लामा ने कहा कि बचपन से ही उन्हें लगता था कि उनका अवलोकितेश्वर से गहरा नाता है। उन्होंने कहा, ''मैं अब तक बुद्ध धर्म और तिब्बत के लोगों की अच्छी तरह से सेवा कर पाया हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं 130 साल से ज़्यादा जीऊंगा।''

यूक्रेन का रूस के एक प्रमुख एयरबेस पर हमला करने का दावा

कीव/एपी। यूक्रेन ने शनिवार को रूस के एक प्रमुख एयरबेस पर हमला करने का दावा किया। वहीं, रूस ने शुक्रवार रातभर यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन दागे। यूक्रेन के सैन्य जनरल स्टाफ ने शनिवार को कहा कि यूक्रेनी सेना ने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में स्थित बोरिसोग्लबस्क एयरबेस पर हमला किया है, जिसे रूस के एसयू-34, एसयू35एस और एसयू-30एसएम लड़ाकू विमानों का प्रमुख अड्डा माना जाता है। जनरल स्टाफ ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर कहा कि सेना ने एक एयरबेस को निशाना बनाया, जहां स्थित डिपो में ग्लाइड बम, एक प्रशिक्षण विमान और संभवतः अन्य विमान भी थे।

गिल ने ठोके 161, भारत ने इंग्लैंड को दिया 608 का लक्ष्य

बर्मिंघम/भाषा। कप्तान शुभमन गिल के बेहतरीन (161) शतक और के एल राहुल (55), ऋषभ पंत (65) तथा रवींद्र जडेजा (नाबाद 69) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत भारत ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को चायकाल के बाद अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन पर घोषित कर इंग्लैंड के सामने 608 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रख दिया। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त हासिल थी। पहली पारी में दोहरा शतक (269)बनाने वाले गिल ने दूसरी पारी में भी अपनी उसी लय को जारी रखते हुए 162 गेंदों पर 161 रन में 13 चौके और आठ छक्के लगाए। राहुल ने 84 गेंदों पर 10 चौके मारे। पंत ने 58 गेंदों पर आठ चौके और तीन छक्के लगाए जबकि जडेजा ने जडेजा ने 118 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का लगाया। इंग्लैंड ने विशालकाय लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन स्टंप्स तक तीन विकेट खोकर 72 रन बना लिए हैं। उसे कल मैच के अंतिम दिन 536 रन और बनाने हैं जबकि भारत को सीरीज में बराबरी हासिल करने के लिए सात विकेट की जरूरत है। आकाशदीप सिंह ने इंग्लैंड को दो तगड़े झटके दिए जबकि पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज ने एक विकेट झटका।

कैरिबियाई देशों से संबंधों को मजबूत बनाएगा भारत, त्रिनिदाद-टोबैगो के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट ऑफ स्पेन/नई दिल्ली/भाषा। भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो ने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और साइबर सुरक्षा क्षेत्र की समसामयिक चुनौतियों से मिलकर निपटने के लिए सहयोग बढाने तथा भारत-कैरिकॉम साझेदारी को अधिक मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की है।

त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार देर रात प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह बात कही। उनकी वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच फार्मा, ऊर्जा , संस्कृति और खेल आदि क्षेत्रों में सहयोग बढाने के छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये।

बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के लोगों को त्रिनिदाद एवं टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन एवं एकजुटता की सराहना की। बाद में एक बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष ग्लोबल साउथ के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमत हुए। वार्ता के बाद फार्माकोपिया, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं, संस्कृति, खेल, राजनयिक प्रशिक्षण और हिंदी एवं भारतीय अध्ययन के लिए आईसीसीआर चेयर के क्षेत्रों में छह समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड की पेशकश सहित द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं।

दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स, डिजिटल परिवर्तन, यूपीआई, क्षमता निर्माण, संस्कृति, खेल और लोगों के बीच संबंधों सहित संभावित सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की।

अर्जेन्टीना में भारतीय संस्कृति की झलक देख भावुक हुए मोदी

ब्यूनस आयर्स/नई दिल्ली/भाषा। अर्जेंटीना में भारतीय समुदाय द्वारा किये गये स्वागत से भावविभोर हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश से हजारों किलोमीटर दूर भारतीय संस्कृति की झलक देखकर मन भावुक हो गया। पांच देशों की यात्रा के तीसरे चरण में मोदी शनिवार सुबह ब्यूनस आयर्स पहुंचे जहां बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोगों ने कथक और अन्य नृत्य शैलियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, सांस्कृतिक संपर्क के लिए दूरी कोई बाधा नहीं है! ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वास्तव में भावुक करने वाला है कि भारतीय समुदाय की बदौलत घर से हजारों किलोमीटर दूर भी भारत की भावना की झलक दिखायी दे रही है।

सरकार गरीब और वंचित वर्ग के जीवन में ला रही सकारात्मक बदलाव : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने शनिवार को बालोतरा के ग्राम पादरू में मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम (बीडीईटी) के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए शिक्षा के क्षेत्र में जो अभिनव प्रयास प्रारंभ किए गए हैं उससे बालक-बालिकाओं एवं युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। इस फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों को वित्तीय मदद भी उपलब्ध करवायी गई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा योग को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई गई। आज भारत विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रवासी भाई-बहन राजस्थान में जनसेवा व समाजहित के कार्यों में अपना सहयोग देने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाकर हर सामाजिक बुराई का अंत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बालक-बालिकाओं की शिक्षा के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है। राज्य के 4 हजार से अधिक विद्यालयों में 8 हजार से अधिक स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय समय के उपरांत सप्ताह में 5 दिन, सोमवार से शुक्रवार तक निर्धारित समय पर विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की ऑनलाइन लाइव कक्षा, विद्यार्थियों को ई-पाठशाला व्हाट्सअप चैनल तथा विद्यार्थियों के स्माइल व्हाट्सअप समूह पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा 88 हजार 800 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट एवं साथ में इंटरनेट कनेक्शन निशुल्क दिए गए हैं। साथ ही, एनईपी 2020 के तहत 9 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक कक्षा 1 से 8 के छात्र-छात्राओं के लिए प्रखर राजस्थान रीड टू लीड कैंपेन चलाया था, जिसमें 42 लाख बच्चे लाभान्वित हुए। इसके साथ ही पुस्तकालयों को 43 लाख पुस्तकें पहुंचाई गईं।

शर्मा ने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम के रूप में शिक्षा एवं कौशल के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसमें घर-घर सर्वे कर ड्रॉपआउट और नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर उनका विद्यालयों में नामांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिक्षा तक ही नहीं बल्कि उन्हें रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाने तक है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भामाशाहों से प्रदेश को शिक्षा में अग्रणी बनाने के राज्य सरकार के प्रयासों में सहभागी बनने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 जून से 9 जुलाई तक प्रदेशभर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत गांव में नामांतरण, स्वामित्व पट्टा, सहमति विभाजन, भूमि विवाद एवं रास्तों से संबंधित विभिन्न प्रकरणों का शिविरों में निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पशुओं की जांच, इलाज, टीकाकरण और मंगला पशु बीमा से पशुपालकों को लाभ हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे व उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से पानी की टंकियों की सफाई, लंबित नल कनेक्शन देने, लीकेज की मरम्मत व नहरों की सफाई एवं बिजली के खंभे और झूलते तारों को ठीक करने के कार्य हो रहे हैं। आयुष्मान कार्ड से गरीब परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं और एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का निस्तारण कर जरूरतमंदों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने केवल बातें की, जमीन पर कुछ नहीं किया। हमने जो काम पिछले डेढ़ साल में किया है, वह पूरे पांच साल में भी नहीं कर पाए। गत सरकार के समय पेपरलीक से युवा निराश हो गया था, लेकिन हमारे कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 69 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए हैं। वहीं, पूरे पांच साल में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा भी हम पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि पानी-बिजली के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए जिनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू धरातल पर मूर्तरूप ले रहे हैं।

युवक की मौत के विरोध में जहाजपुर कस्बे में बाजार बंद रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर कस्बे में शुक्रवार को एक कार के प्याज के ठेले से टकराने से हुए विवाद के कारण युवक मौत के विरोध में जहाजपुर में शनिवार को बाजार बंद रहे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके 16 लोगों को नामजद किया औरा मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है। इस बीच, जहाजपुर कस्बे में तनाव के कारण प्रशासन ने पांच और छह जुलाई को मोहर्रम पर ताजिये निकालने पर रोक लगा दी है।

उधर, मृतक के परिजनों के साथ ही स्थानीय लोग एक करोड़ रुपये मुआवजे, सरकारी नौकरी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं, इसके चलते शव का अब तक पोस्टमार्टम नहीं हो सका। तनाव को देखते हुए कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को टोंक के चार लोग अपने परिचित मिलने कार से जहाजपुर आये थे। वहां वे बाजार खरीदारी करने गये थे कि भंवरकला गेट विद्यालय क्षेत्र में तकिया मस्जिद के पास एक प्याज विक्रेता के ठेले से कार टकरा गयी। इस पर विवाद होने पर कार से सीताराम उतरा और उन्हें नुकसान की भरपाई की बात कही। उसी दौरान वहां करीब 20 लोग आये और उन्होंने सीताराम से मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी।

जनता की समस्याओं का समय पर समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जनता की समस्याओं का समय पर समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए लंबित कार्यों की समयबद्ध रूप से पूर्ति सुनिश्चित करने और जनसमस्याओं के स्थाई समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने के निर्देश दिए हैं। दीया कुमारी शनिवार को यहां विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने मानसून के दृष्टिगत जलभराव, सीवर डैमेज और सड़कों की मरम्मत पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। बैठक में कई प्राथमिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सड़कों की स्थिति, जलभराव की समस्या, सीवरेज और ड्रेनेज कार्यों की प्रगति, ऑक्सीजन पार्क, बीआरटीएस कॉरिडोर, पेयजल पाइपलाइन, अतिक्रमण हटाने और पुलिया निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे।

इस दौरान विद्याधर नगर की सड़कों और जल भराव से संबंधित प्रस्तावों की स्वीकृति एवं वर्तमान स्थिति, बीआरटीएस कॉरिडोर, सीकर रोड वर्क और ड्रेनेज कार्य की प्रगति रिपोर्ट, ऑक्सीजन पार्क की स्थिति, बजट में घोषित कार्यों की अद्यतन जानकारी, कई वार्डों में सीवरेज और ड्रेनेज प्लान को शीघ्र लागू करने के निर्देश, बारिश के मौसम मद्देनजर जलभराव वाले क्षेत्रों की तत्काल पहचान और समाधान के निर्देश, अवैध अतिक्रमण हटाकर प्रस्तावित सड़कों का निर्माण शीघ्र कराने के निर्देश, हरमाड़ा, मुरलीपुरा सेटेलाइट हॉस्पिटल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित मेडिकल परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा, बीसलपुर परियोजना के तहत पाइप लाइन और टंकी निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

इसी तरह वन विभाग की भूमि पर अटके कार्यों को शीघ्र शुरू कराने के लिए निर्देश, टोंटी मोड़ तक मेट्रो विस्तार और एनएचएआई द्वारा प्रस्तावित अंडरपास कार्यों की अद्यतन जानकारी ली गई। बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर, एनएचएआई, रीको, पीडब्ल्यूडी, जलदाय विभाग, वन विभाग, शिक्षा, पुलिस और मेट्रो प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाल के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा है कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

शेखावत शनिवार को यहां सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में शेखावत ने कहा कि गहलोत द्वारा इसी सर्किट हाउस में उनकी दिवंगत माता पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, वे पूरी तरह निराधार और निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि अब गहलोत ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और मीडिया के जरिए उन्हें संदेश भेज रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस मुद्दे को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि व्यक्तिगत सम्मान और परिवार की गरिमा से जुड़ा मामला मानते हैं। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार पर संविधान से छेड़छाड़ के आरोप लगाना बिल्कुल भी शोभनीय नहीं है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा अल्पसंख्यकों को 'पहला अधिकार' देने की बात को कौन भूल सकता है। इसलिए पहले कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए, उसके बाद भाजपा पर कोई आरोप लगाना चाहिए। गहलोत द्वारा आपातकाल पर माफी मांगने से जुड़े सवाल पर भी शेखावत ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या जबरन नसबंदी के शिकार लोग उस अमानवीयता को भूल पाएंगे। क्या उनका कोई कसूर था। यह विषय क्षमा योग्य नहीं है।

उन्होंने दो टूक कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने केवल अपनी सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा। उन्होंने कहा कि लंबी गुलामी और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद भारत को आजादी मिली। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक इतिहास में देश की गौरवशाली परंपराओं के प्रमाण मिलते हैं। हमारा संविधान दुनिया का सबसे सजीव और प्रगतिशील संविधान है जो 1950 में लागू हुआ। इसी के साथ नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी प्राप्त हुई लेकिन देश पर थोपे गए आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया। मीडिया पर घोषित और अघोषित प्रतिबंध लगाए गए। पत्रकारों को जेल भेजा गया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी दबा दिया गया।

शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद के शासनकाल में हुए जनांदोलनों को नकारा नहीं जा सकता। वर्ष 1977 में जब जनता ने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, तब जाकर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई। आज वही लोग मीडिया की स्वतंत्रता की बात करते हैं, जिन्होंने उस दौर में मीडिया का गला घोंट दिया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में संविधान पर कोई हमला नहीं हो, उसको लेकर भाजपा जनजागरण कर रही है।

दुग्ध उत्पादन में प्रदेश को अव्वल बनाने की दिशा में डेयरी के साथ गोपालन व पशुपालन विभाग की ओर से अनेक नवाचार : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, डेयरी, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है, इसे अव्वल प्रदेश बनाने की दिशा में डेयरी के साथ-साथ गोपालन व पशुपालन विभाग की ओर से अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। खासकर दुग्ध उत्पादन के लिए गिर गाय में ब्राजील से आयातित सीमन से कृत्रिम गर्भाधान किया जा रहा है। इससे गिर गाय के दूध के उत्पादन में दोगुनी से भी ज्यादा वृद्धि होगी। इसके अलावा प्रदेश में गाय की संख्या में बढोतरी के लिए सैक्स सोर्टेड सीमन योजना को लागू किया गया है। ऐसा होने से प्रदेश में गौवंश की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन भी बढेग़ा। वे राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) व राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में पालमपुर (गुजरात) की बनास डेयरी परिसर में तीन दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

डेयरी मंत्री कुमावत ने कहा कि प्रदेश के चार जिला दुग्ध संघों- जयपुर, सीकर, भरतपुर व टोंक की 48 महिला दुग्ध समितियों की सचिवों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में महिला सचिवों को दुग्ध समितियों के बेहतर संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे न केवल समिति का मुनाफा बढेग़ा बल्कि महिलाओं की कार्यकुशलता भी बढेग़ी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के प्रशिक्षण का लाभ महिला दुग्ध समितियों से जुड़ी प्रत्येक महिला को दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा। डेयरी मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। उन्होंने दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा दिए जाने पर बल दिया। कुमावत ने कहा कि दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित होनी चाहिए। इसके लिए दुग्ध सहकारी समितियां प्रत्येक गांव में किसानों से संवाद स्थापित कर अपने कार्यों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र को किसानों के लिए अधिक फायदेमंद बनाने के लिए डेयरी संघ बेहतर मॉडल विकसित करें। डेयरी क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। मंत्री कुमावत ने बनास डेयरी द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी प्रकार राजस्थान की सरस डेयरी भी इस क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। उद्घाटन सत्र को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया राहटकर, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरलाल चौधरी व आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्वाज ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बनास डेयरी के उपाध्यक्ष भावा भाई रबारी, बनास मेडिकल कॉलेज एंड ट्रस्ट के चैयरमेन पीजे चौधरी, संग्राम चौधरी व प्रिसिंपल प्राइवेट सेक्रेटरी रामावतार सिंह आदि मौजूद थे।

कार की टक्कर को लेकर हुए विवाद में युवक की मौत से तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक कार के आलू-प्याज के ठेले से टकराने से हुए विवाद में कार में सवार एक युवक की मौत होने से क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। जहाजपुर के पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र पारीक ने बताया कि टोंक जिले के चार युवक कार से बीसलपुर होते हुये जहाजपुर पहुंचे। ये लोग कार से भंवरकला गेट विद्यालय क्षेत्र से गुजर रहे थे, तभी वहां खड़े आलू-प्याज के ठेले से कार टकरा गयी। इसे लेकर आलू-प्याज विक्रेता एवं कार में सवार लोगों के बीच विवाद हो गया।

विवाद बढ़ने पर धक्का मुक्की में कार में सवार सीताराम कीर (25) घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी। यह खबर कस्बे में आग की तरह फैल गई। बड़ी संख्या में लोग जहाजपुर अस्पताल में जुट गये। स्थिति उग्र होती देख शाहपुरा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गये। बाद पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने अन्य थानों से पुलिस बल बुलवा लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने आलू- प्याज विक्रेता को हिरासत में ले लिया है। कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया गया है। फिलहाल जहाजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शवगृह के बाहर भीड़ जुटी है। इसके चलते पोस्टमार्टम नहीं हो पा रहा है। वहां चारों ओर पुलिस बल तैनात है। अधिकारी स्थिति पर निगाह रखे हुये हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में, लेकिन तनावपूर्ण बताई जा रही है।

सरकार शैक्षणिक उन्नयन एवं अवसंरचना विकास के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बासनी करवड़ में भामाशाह द्वारा निर्मित प्रवेश द्वार और प्याऊ का विधिवत लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शैक्षणिक उन्नयन एवं विद्यालयों में अवसंरचना विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा आधारभूत अवसंरचना विकास के लिए इस बजट में 225 करोड़ रुपए और प्रदेश के 175 भवनविहीन एवं जर्जर विद्यालयों के नवीन भवनों के लिए

200 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। पटेल ने कहा विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिए राज्य के 15 हजार विद्यालयों में 75 करोड़ रुपये की लागत से सीसीटीवी कैमरों की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा 2 हजार विद्यालयों के भवनों की मरम्मत के लिए 175 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। उन्होंने कहा विद्यार्थियों में उद्यमिता तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1500 विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना की जा रही है। पटेल ने कहा बजट घोषणा के अनुरूप केरू ब्लॉक में महाविद्यालय का सुचारू संचालन भी शुरू कर दिया है और भवन निर्माण का कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

उन्होंने कहा हनुमानजी का बाड़िया से केरू सड़क सहित केरू क्षेत्र में एक अरब से भी अधिक लागत के सड़क निर्माण के कार्य चल रहे है। पटेल ने कहा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए बजट घोषणा के अनुरूप केरू में ट्रॉमा सेंटर और केरू सीएचसी को मॉडल सीएचसी के रूप में विकसित किया जा रहा है।संसदीय कार्य मंत्री ने कहा आमजन और किसानों को राजस्व एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े इसीलिए केरू में नवीन तहसील कार्यालय की घोषणा की गई और कार्यालय शुभारंभ शीघ्र किया जाएगा। पटेल ने कहा विद्यालय भारत के भविष्य निर्माण के केंद्र है। उन्होंने कहा शिक्षक राष्ट्र निर्माण में सबसे महत्ती भूमिका निभाते है। पटेल ने कहा क्षेत्र के विद्यालयों के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने विद्यालय में कक्षा-कक्ष निर्माण के लिए 10 लाख रूपये की घोषणा की। संसदीय कार्य मंत्री ने भामाशाह बचनाराम,बाबूराम सुथार, गेपरराम भाट, चुतरा राम एवं भोमाराम स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

पश्चिमी राजस्थान में भारी बारिश जारी

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिमी मानसून की सक्रियता जारी है और विशेषकर पश्चिमी राजस्थान में भारी बारिश हो रही है। बीते चौबीस घंटे में बूंदी के इंद्रगढ़ में सबसे अधिक 144 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। इसने कहा कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले चौबीस घंटे में इंद्रगढ़ में 14 सेंटीमीटर, धौलपुर के बाड़ी में सात सेंटीमीटर, जयपुर के फागी में पांच सेंटीमीटर, राजसमंद के आमेट, अलवर के कठूमर, बारां के किशनगंज, बाड़मेर के सेड़वा तथा टोंक के मालपुरा में तीन-तीन सेंटीमीटर बारिश हुई। मौसम केंद्र ने बताया कि इसके अलावा बीकानेर, नागौर, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर व सवाईमाधोपुर सहित विभिन्न जिलों में अनेक जगह एक सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई।

खरगे ने वन क्षेत्र बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया, कानूनों के 'निष्प्रभावी क्रियान्वयन' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक और पूरे देश में वन क्षेत्र बढ़ाने की आवश्यकता पर शनिवार को बल दिया और वनों की कटाई रोकने तथा हरित क्षेत्र का विस्तार करने के लिए मौजूदा कानूनों और कार्यक्रमों के ''निष्प्रभावी कार्यान्वयन'' को लेकर निराशा व्यक्त की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने मंत्रियों, प्राधिकारियों, केन्द्र एवं राज्य सरकारों तथा जनता से वृक्षावरण की क्षति पर गंभीरता से ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन यदि प्रकृति की रक्षा नहीं की गई तो भविष्य में जीवन का कोई आधार नहीं होगा।

खरगे ने यहां वनमहोत्सव (वृक्षारोपण उत्सव) कार्यक्रम में कहा, पूरे देश में वन क्षेत्र बढ़ना चाहिए। सड़कों के किनारे पेड़ लगाए जाने चाहिए और उनकी उचित देखभाल की जानी चाहिए। अगर आप पेड़ नहीं लगा सकते तो आपको उन्हें काटने का कोई अधिकार नहीं है।'' वन रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि देश का वन क्षेत्र उसके भौगोलिक क्षेत्र का औसतन 25.17 प्रतिशत है, जो पर्याप्त नहीं है तथा यह कम से कम 33 प्रतिशत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक का वन क्षेत्र मात्र 21 प्रतिशत है और उन्होंने सड़कों के किनारे, घरों के निकट, स्कूलों, कॉलेजों और कृषि क्षेत्रों के आसपास पेड़ लगाने का आह्वान किया।

खरगे ने कहा, यदि हर घर के सामने दो पेड़ भी लगा दिए जाएं तो इससे फर्क पड़ेगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश में लगभग 20 लाख हेक्टेयर वृक्ष क्षेत्र नष्ट हो गया है। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांड्रे, कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियंक खरगे और अन्य नेता शामिल हुए। खरगे ने स्वस्थ पर्यावरण, स्वच्छ हवा और बेहतर जीवन स्तर के लिए पेड़ों के महत्व पर जोर देते हुए बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने दावा किया, ''मैंने राज्य में, खासतौर पर हासन जिले में दिल के दौरे से संबंधित मौतों की खबरें देखी है। ऐसा लगता है कि यहां कोई प्रतिस्पर्धा चल रही है। यहां तक कि छोटे बच्चे और युवा भी दिल के दौरे के कारण मर रहे हैं। जीने के लिए स्वच्छ हवा, पानी और पर्याप्त ऑक्सीजन की जरूरत होती है।''

खरगे ने याद दिलाया कि ''वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 में इंदिरा गांधी सरकार द्वारा पेश किया गया था, लेकिन बाद की सरकारें इसे प्रभावी रूप से लागू करने में विफल रहीं''। उन्होंने कहा कि इसी तरह, डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लागू वन अधिकार अधिनियम का भी समुचित ढंग से क्रियान्वयन नहीं किया गया, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम और हरित भारत मिशन के खराब क्रियान्वयन को लेकर भी चिंता जताई।

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा 2023 में लाए गए वन संरक्षण संशोधन अधिनियम की आलोचना करते हुए खरगे ने दावा किया कि इसमें भी उचित कार्रवाई की कमी है और चेतावनी दी, अगर हम अभी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो हमें आने वाले वर्षों में पानी, स्वच्छ हवा की गंभीर कमी और बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। खरगे ने कर्नाटक सरकार से राज्यभर में बड़े पैमाने पर वनरोपण प्रयासों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

'धर्मस्थल' में कई हत्याएं होने से जुड़े सनसनीखेज मामले में अब तक कोई शव या कंकाल नहीं मिला : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल (दक्षिण कन्नड़)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित धर्मस्थल नामक इलाके में कथित तौर पर कई हत्याएं किये जाने से जुड़े सनसनीखेज मामले में शनिवार को उस समय एक नया मोड़ आ गया जब पुलिस ने दावा किया कि जिस व्यक्ति ने कई शवों को ठिकाने लगाने का दावा किया था उसने अब तक पुलिस को कोई मानव शव या कंकाल या अवशेष नहीं उपलब्ध कराया है। मंगलूरु पुलिस ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके मामले में यह महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि दावा करने वाला व्यक्ति अब तक पुलिस को महज एक मानव खोपड़ी और अवशेषों के कुछ हिस्सों को दर्शाने वाली दो तस्वीरों की रंगीन छाया प्रतियां ही पुलिस को दे सका है।

पुलिस ने साफ किया है कि उसे अब तक मानव शरीर के कोई भौतिक अवशेष, जैसे कि कंकाल या शव नहीं सौंपे गये हैं। इस मामले में स्पष्टीकरण देते हुए पुलिस ने बताया कि उक्त शिकायत के संबंध में अब तक पुलिस थाने में केवल एक खोपड़ी और अवशेषों के कुछ हिस्सों को दर्शाने वाली दो तस्वीरों की रंगीन छाया प्रतियां ही जमा की गई हैं। इसके अलावा अब तक पुलिस थाने को कोई शव/अवशेष नहीं सौंपा गया है।

पुलिस ने कहा कि यह स्पष्टीकरण उन अटकलों पर विराम लगायेगा जिनमें कहा जा रहा था कि शिकायतकर्ता ने पुलिस को मानव अवशेष सौंप दिए हैं। पुलिस ने कहा कि शुक्रवार को हिंदुओं के पवित्र धार्मिक स्थान 'धर्मस्थल' में एक सनसनीखेज मामले में एक व्यक्ति ने पुलिस से संपर्क कर दावा किया था कि उसे अतीत में कई हत्याओं के बाद शवों को गुप्त रूप से ठिकाने लगाने के लिए मजबूर किया गया था।

पुलिस ने कहा कि इस पाप बोध से उपजी आत्मग्लानि के बाद उस व्यक्ति ने अब अपराधों का खुलासा कर प्रायश्चित्त करने का फैसला किया है। इसके बाद पुलिस ने उसके बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी थी। पुलिस ने शुक्रवार शाम इस मामले में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया था कि उक्त व्यक्ति ने हत्या के इन कथित मामलों को उजागर करने के लिए अपने और अपने परिवार को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने की शर्त रखी थी।

पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति ने तीन जुलाई, 2025 को पुलिस अधीक्षक के कार्यालय और धर्मस्थल पुलिस थाने में यह सनसनीखेज शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उसने दावा किया कि धर्मस्थल' में पहले भी कई आपराधिक घटनाएं (हत्याएं) हुई हैं।

उसने पुलिस को बताया है कि जैसे ही उसे और उसके परिवार को कानूनी सुरक्षा मिल जाएगी वह इन अपराधों को अंजाम देने वाले लोगों की पूरी जानकारी देने और उन सभी स्थानों को दिखाने के लिए तैयार है जहां उसने शवों को ठिकाने लगाया था। इस शिकायत के बाद पुलिस ने आज धर्मस्थल पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 211(ए) के तहत मामला दर्ज किया और जांच प्रारंभ कर दी। पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता ने अपनी पहचान को गोपनीय रखने का अनुरोध किया है।

बच्ची की तस्करी से जुड़े मामले में पति-पत्नी समेत तीन लोगों को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु जिले की एक विशेष अदालत ने 12 वर्ष पुराने एक बच्ची की तस्करी के मामले में पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (द्वितीय) ने तीन जुलाई को पजीर निवासी लिनेटा वेगस (38), पति जॉसी वेगस (58) और उसकी मां लूसी वेगस (65) को सजा सुनाई तथा सभी पर 5,000-5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने जुर्माना नहीं भरने पर दोषियों को छह महीने की अतिरिक्त कैद का भी आदेश दिया।

अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में बच्चों के तस्करों के सक्रिय होने की सूचना मिली थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चाइल्डलाइन' के साथ मिलकर अपराधियों को पकड़ने के लिए एक जाल बिछाया। उन्होंने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता विद्या दिनकर ने पुलिस के साथ मिलकर बच्चे को खरीदने' का नाटक किया और दोनों उस क्लिनिक में गये, जहां आरोपी बच्चे को बेचने के लिए आये थे। विशेष लोक अभियोजक ज्योति प्रमोद नायक ने बताया कि 26 जुलाई, 2013 को शाम करीब साढ़े छह बजे आरोपियों ने बच्ची को बेचने के लिए दो लाख रुपये मांगे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने 90,000 रुपये का अग्रिम भुगतान कर बाकी रकम अगले दिन देने का वादा किया और आरोपियों को धर दबोचा। 'चाइल्डलाइन' की कर्मचारी अशुंथा डिसूजा की शिकायत पर तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 370(4) और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। ज्योति प्रमोद नायक ने बताया कि मुकदमे के दौरान यह पता चला कि बच्ची की मां रंगव्वा की मुकदमे के दौरान ही मृत्यु हो गयी थी।

विमोचन

बेंगलूरु में शनिवार को जनप्रकाशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर बारागुरु रामचंद्रप्पा द्वारा संपादित पुस्तक कुवेम्पु विचार क्रांति का विमोचन कर जनत को समर्पित मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस मौके पर नादोजा डॉ. एच.पी. नागराजैया, सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच.एन. नागमोहन दास, सेवानिवृत्त कुलपति डॉ. चिदानंद गौड़ा, पुस्तक के संपादक प्रो. बारागुरु रामचंद्रप्पा और बी. राजशेखरमूर्ति, एचएन हरि, एवी अतिथि के रूप में जन प्रकाशन के श्रीहरि उपस्थित थे।

भारत समयसीमा के तहत नहीं, बल्कि अपनी ताकत के दम पर बातचीत करता है : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत समयसीमा के तहत नहीं, बल्कि अपनी ताकत के दम पर बातचीत करता है। उन्होंने कांग्रेस पर संप्रग सरकार के दौरान ''ऐसे समझौतों पर बातचीत और हस्ताक्षर करने'' का आरोप लगाया, जो राष्ट्रीय हित में नहीं थे। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार सौदे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया था। उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री ट्रंप प्रशासन द्वारा निर्धारित शुल्क समयसीमा के आगे ''विनम्रतापूर्वक झुकेंगे।''

गोयल ने एक दिन पहले कहा था कि भारत, अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा, जब यह पूरी तरह से अंतिम रूप ले लेगा और राष्ट्रीय हित में होगा। गोयल ने यहां पत्रकारों से कहा, ''भारत समयसीमा के तहत बातचीत नहीं करता। हम राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं और दुनिया भर में हमारे सभी जुड़ावों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार देशों के समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और अब पिछले महीने ब्रिटेन के साथ भी समझौता किया गया।''

उनके अनुसार भारत 27 देशों के यूरोपीय संघ, अमेरिका, ओमान, पेरू और चिली सहित अन्य विकसित देशों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ना चाहता है। उन्होंने कहा, ''आज, भारत अपनी ताकत के दम पर बातचीत करता है।

हम आत्मविश्वासी हैं और दुनिया में किसी से भी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। आज कांग्रेस और संप्रग के समय की तरह कमजोर भारत नहीं है, जिसने ऐसे समझौते किए जो राष्ट्रीय हित में नहीं थे।''

राहुल गांधी ने शनिवार को एक्स' पर पोस्ट किया, पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे।'' गोयल ने गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''अब कोई भी राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेता, क्योंकि वह, उनकी पार्टी और उनके साथी लगातार नकारात्मकता फैला रहे हैं। मुझे लगता है कि वे अपना लक्ष्य खो चुके हैं। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है।'' गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी देश के विकास के लिए कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाई।

कर्नाटक सरकार ने 'अवैध खनन' घोटाले की जांच के लिए कैबिनेट उपसमिति गठित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को कानून एवं विधायी कार्य मंत्री एच के पाटिल की अध्यक्षता में छह सदस्यीय कैबिनेट उपसमिति का गठन किया, जो 'अवैध खनन' के मुद्दे की जांच करेगी और उचित कार्रवाई की सिफारिश करेगी। उपसमिति को एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है।

इसमें गृह मंत्री जी परमेश्वर, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के एच मुनियप्पा, समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा, वन मंत्री ईश्वर खंड्रे और खान एवं भूविज्ञान मंत्री एस एस मल्लिकार्जुन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता वाले राज्य मंत्रिमंडल ने दो जुलाई को अपनी बैठक के दौरान उपसमिति के गठन का फैसला किया था। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, खनन में अनियमितताओं, विशेष रूप से रिकवरी कमिश्नर की नियुक्ति और मामलों के त्वरित निपटान के लिए त्वरित अदालत की स्थापना के संबंध में उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा करने और उचित सिफारिशें करने के लिए कैबिनेट की एक उपसमिति गठित की गई है।

यह निर्णय तब लिया गया, जब पाटिल ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर अवैध खनन मामलों को उनके 'तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने' में सरकार की निष्क्रियता को लेकर चिंता जताई। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि दोषियों को दंडित किया जाए और राज्य की खोई हुई संपत्ति को बरामद किया जाए।

अपने सात पन्नों के पत्र में पाटिल ने बताया कि साल 2007 और 2011 के बीच कथित तौर पर हुए अवैध खनन से संबंधित केवल 7.6 प्रतिशत मामलों की ही अब तक जांच की गई है। उन्होंने दावा किया कि इससे राज्य के खजाने को 1.5 लाख करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ।

मुलाकात

बेंगलूरु में शनिवार को राजभवन में योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर और कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड (केकेआरडीबी) के अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की और उन्हें वर्ष 2025-26 के लिए केकेआरडीबी कार्य योजना से अवगत कराया, जिसके बाद विस्तृत चर्चा हुई।

पुरस्कार

कर्नाटक के मंत्री एम.बी. पाटिल ने शनिवार को बेंगलूरु में चित्रकला परिषद में आयोजित एक समारोह के दौरान कलाकार माधवी पारेख को प्रो. एम.एस. नंजुंदा राव राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

पांच बाघों की मौत : मंत्री ने दो अधिकारियों को किया निलंबित

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की 'अप्राकृतिक मौत' के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने इस मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत पाए गए थे। खंड्रे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खंड्रे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया। घटना की जांच के लिए इस समिति का गठन किया गया था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खंड्रे के कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, बाघों की अप्राकृतिक मौत मामले में अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्यों का पालन ना करने के स्पष्ट सबूत हैं जिनके आधार पर मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग से डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है। बयान में कहा गया है कि सहायक वन संरक्षक गजानन हेगड़े और संबंधित क्षेत्र के रेंज वन अधिकारी मदेश को निलंबित कर दिया गया है।

बेंगलूरु में शनिवार को एक जागरूकता कार्यक्रम के दौरान एक डॉक्टर जनता को दिल के दौरे की रोकथाम के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) तकनीक का प्रदर्शन करता हुआ।

नीरज ने अपने नाम की प्रतियोगिता आयोजित करने का सपना साकार कर एक और उपलब्धि हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नीरज चोपड़ा ने शनिवार को अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की जब वह किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में मेजबान के रूप में भाग लेने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने यहां कांतीरवा स्टेडियम में जोश से भरे माहौल में अपना दबदबा बनाया। हरियाणा के पानीपत के खंडरा गांव के 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने खेल का हर सम्मान हासिल किया है। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की नजरें उन पर ही टिकी थी। यह खेल और प्रशंसकों को उन्हें और अन्य शीर्ष अंतरराष्ट्रीय सितारों को अपनी आंखों के सामने प्रतिस्पर्धा करते देखने का अनुभव देने का उनका तरीका है।

चोपड़ा ने स्वीडन के पोल वॉल्टर अर्मांडो डुप्लांटिस और कीनिया के लंबी दूरी के धावक किपचोगे कीनो से प्रेरणा ली है जिनके नाम पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट मोंडो क्लासिक और किप कीनो क्लासिक होते हैं। बादल छाए रहने, ठंडी हवा चलने और 24 डिग्री सेल्सियस के तापमान के बीच कांतीरवा स्टेडियम पूरी तरह से भरा तो नहीं था, लेकिन चोपड़ा के प्रति समर्थन जताने वाले दर्शकों के शोर से स्टेडियम गूंज रहा था।

परिवार के सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में चोपड़ा को 12 खिलाड़ियों की प्रतियोगिता में प्रशंसकों ने उनके सभी थ्रो के लिए प्रोत्साहित किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी वीवीआईपी क्षेत्र में प्रतियोगिता देखने के लिए मौजूद थे। इस मौके पर चोपडा के परिवार के करीबी सदस्य भी मौजूद थे।

दोहरे ओलंपिक पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन चोपड़ा ने प्रतियोगिता से पहले अपने कोच और चेक गणराज्य के महान भाला फेंक खिलाड़ी रहे जान जेलेजनी (98.48 मीटर के विश्व रिकॉर्ड धारक) को सम्मानित करने के लिए पहली बार बाहर आकर उन्होंने प्रशंसकों का अभिवादन किया। ढांडा न्योलीवाला ने खुले मैदान में हरियाणा हिप-हॉप के प्रदर्शन से दर्शकों का मनोरंजन किया। प्रतियोगिता के लिए मैदान पर चोपड़ा के आने पर प्रशंसकों का शोर चरम पर पहुंच गया। दर्शक उनके हर थ्रो से पहले और बाद में हौसला अफजाई कर रहे थे।

एनसी क्लासिक पहले 24 मई को हरियाणा के पंचकूला में होना था लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रसारकों की जरूरत के अनुसार लाइट की व्यवस्था नहीं होने से इसे बेंगलूरु में कराया जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। यह भारत में किसी एक खेल की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स स्पर्धा है जिसे विश्व एथलेटिक्स ने ए कैटेगरी का दर्जा दिया है। इस प्रतियोगिता को चोपड़ा का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' माना जाता है और इसका उद्देश्य भारत को शीर्ष स्तर के एथलेटिक्स कार्यक्रमों के विश्वसनीय मेजबान के रूप में स्थापित करना है।

जीआईएम विनिर्माण प्रतिबद्धताओं में 62 प्रतिशत को परियोजना प्रस्तावों में बदला गया : पाटिल

बेंगलूरु। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने शनिवार को कहा कि वैश्विक निवेशक सम्मेलन 'इन्वेस्ट कर्नाटक-2025' में विनिर्माण क्षेत्र के लिए 5.56 लाख करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुईं, जिनमें से लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों के लिए औपचारिक परियोजना आवेदन पहले ही आ चुके हैं। इसका मतलब है कि विनिर्माण क्षेत्र की 62 प्रतिशत प्रतिबद्धताओं को परियोजना प्रस्तावों में बदल दिया गया है।

पाटिल ने कहा कि यह मजबूत रूपांतरण दर निवेशकों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद निरंतर जुड़ाव को दर्शाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि निवेश की मंशा ठोस कार्रवाई में तब्दील हो।

मंत्री के कार्यालय ने बयान में बताया कि पाटिल उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित एक विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। सत्र में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद थे।

पाटिल ने कहा, क्रोन्स, सफ्रान, टीएएसएल और कई अन्य कंपनियों ने पहले ही राज्य के पास औपचारिक आवेदन दायर कर दिए हैं, जिनमें से कई ने जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, इंडिगो और एयर इंडिया, दोनों ही कर्नाटक में एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) सुविधाओं का संचालन कर रहे हैं।

सुविचार

प्रेम की परिभाषा राधा ने कभी नहीं दी, क्योंकि वो खुद उसका जीता-जागता उदाहरण थीं।

ट्वीट

मानेसर, हरियाणा में शुरू हुए शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन आज 'भारत की संसद' में हुआ। देशभर से आए शहरी निकायों के अध्यक्षों ने संसद परिसर का भ्रमण किया।

-ओम बिरला

आज शासन सचिवालय में राजस्थान के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा जी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नवीन दायित्व हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर प्रदेश की कानून-व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

-दीया कुमारी

कहानी

वो कौन था ...?

पिछले एक सप्ताह से महानगर के मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ चल रहा था। कभी बारिश तो कभी तूफान ने वहां सब कुछ अस्त व्यस्त कर दिया था। कभी लगातार तेज होती बारिश में सूनी सड़कें और बाजार को देखकर लगता था मानो ज़िंदगी थम सी गई थी। उस दिन बारिश के थमने और शाम ढलने के बाद अंधेरा चारों ओर अपनी चादर फैला रहा था। महानगर में बढ़ते अंधेरे के बीच जगमगा रही कृत्रिम रोशनी ने वहां की जीवंतता के माहौल को ज़िंदा रखा हुआ था। वहीं पर एक मल्टीस्पेशलिटी प्राइवेट हॉस्पिटल के सातवें माले पर बने कॉटेज वार्ड की खिड़की से नेहा बाहर देख रही थी। इस कॉटेज में उसका पति राजन एडमिट था। बाहर रोशनी से परे दूर तक अंधेरा ही अंधेरा था। जहां कुछ नजर नहीं आ रहा था। कुछ दिन पहले ऐसा ही अंधेरा नेहा के जीवन में भी आया था। जिसमें उसका जीवन भी बहुत कुछ अस्त व्यस्त हो गया था। किसी भी इंसान के जीवन में परेशानियां कभी सूचना देकर नहीं आती। ऐसा ही नेहा और राजन के जीवन में भी हुआ था। नेहा की आंखों के सामने हाल में हुई घटना और उससे जुड़ी यादें किसी चलचित्र की तरह चलने लगीं। वह उसकी यादों में खो गई

अपने शहर में स्वर्ण आभूषण (गोल्ड ज्वेलरी) का व्यवसाय करने वाला राजन एक सप्ताह पहले ही नेहा के साथ इस महानगर में पहली बार आया था। इस महानगर का आकर्षण ही उन्हे यहां खींच लाया था। वे दोनों यहां पांच दिनों तक चलने वाली ज्वेलरी की नेशनल एक्जीबिशन में भाग लेने आए थे। इसमें देश के स्वर्ण आभूषणों के नामी ब्रांड्स भाग ले रहे थे। एक्जीबिशन की भव्यता और आभूषणों के बहुत नए डिज़ाइन ने उन्हे बहुत प्रभावित किया। पांच दिनों की व्यस्तता के बाद छठे दिन उन्होंने महानगर घूमने का और रात्रि में ही अपने शहर लौटने का कार्यक्रम बनाया था। एक तो जिस होटल में वो ठहरे थे वहां से एक्जीबिशन वाली जगह दूर थी। इस दूरी और लगातार हो रही बारिश के कारण किसी अन्य जगह जाना संभव भी नहीं था। उन्होंने शाम से सुबह तक का अपना अधिकतम समय होटल के अपने कमरे में ही बिताया था। होटल के पास ही श्री हनुमान जी का एक भव्य मंदिर था। श्री हनुमान जी की विशाल प्रतिमा और मंदिर की भव्यता देखते ही बनते थे। सुबह या शाम को बारिश हो या न हो वो दोनों वहां दर्शन करने जरुर जाते थे। पांचवे दिन एक्जीबिशन समाप्त होने के बाद शाम को वो दोनों मंदिर दर्शन करने गए थे। वहां सुन्दरकांड के पाठ का आयोजन किया गया था। दर्शन करने के बाद नेहा सुंदरकांड का पाठ पढ़ने वहां हॉल में बैठ गई और राजन उसे पास ही में घूमकर आने का कहकर चला गया। नेहा ने पाठ में उसके पास किसी का फोन आने से कोई व्यवधान नहीं हो इसलिए अपना मोबाइल फोन भी राजन को दे दिया। पाठ में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। हॉल में सबसे आखिरी में बैठी नेहा भी भक्ति में लीन होकर पाठ पढ़ रही थी।

सुंदरकांड का पाठ समाप्त होने से कुछ समय पहले ही नेहा ने महसूस किया कि कोई उसका हाथ पकड़ रहा था। उसने देखा कि लाल रंग के कपड़े पहने हुए लगभग बीस से पच्चीस वर्ष की आयु के बीच के एक युवक ने उसका हाथ पकड़ रखा था। उस युवक ने कहा कि आप जल्दी से हॉस्पिटल चलो आपके पति का एक्सीडेंट हो गया है। उन्हे गम्भीर चोटें आने के कारण पास ही के हॉस्पिटल में लेकर गए हैं। यह सुनते ही किसी अनिष्ट की आशंका के बादल उसकी आंखों के सामने मंडराने लगे। उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छाने लगा। उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि वह करे भी तो क्या करे ? घबराई हुई नेहा ने अपने कुर्ते की जेब मे मोबाइल ढूंढा तो वह भी नहीं मिला। उसे याद ही नहीं आ रहा रहा था कि उसने खुद ही तो वह राजन को दिया था। वह उस युवक से अपना हाथ छुड़ाकर मंदिर से बाहर तेज कदमों से चलने लगी। युवक ने नेहा को चप्पल पहनकर उसके साथ में चलने के लिए कहा। बिना कुछ सोचे समझे वह उसके साथ ऑटो रिक्शा में हॉस्पिटल की ओर चल दी। रास्ते में रोती हुई नेहा को वह अनजान युवक हिम्मत रखने के लिए कहता रहा। युवक के कपड़ों पर खून के निशान साफ नजर आ रहे थे। यह सब देखकर गड़बड़ाई मनोस्थिति में नेहा के दिमाग में यह प्रश्न उठने लगा कि राजन के पास बहुत नकद पैसा था , कहीं इस युवक ने तो राजन के साथ कुछ गलत तो नहीं कर दिया ?

हॉस्पिटल पहुंचते ही राजन को गंभीर घायल अवस्था में अचेत देखकर नेहा गश खाकर गिर गई। युवक ने किसी तरह उसको संभाला। नेहा के कुछ सामान्य होने पर युवक ने राजन की जेब से सड़क पर गिरे पर्स और नकद पैसे नेहा को सौंप दिए। नेहा ने बाद में देखा कि नकद पैसों और पर्स से किसी तरह की कोई छेड़छाड़ नहीं करी गई थी। डॉक्टर्स ने बताया कि राजन को हेड इंजरी और दोनों पैरों में तीन फ्रैक्चर हुए थे। राजन के सिर का सी टी स्केन और पैरों के एक्स रे हो चुके थे। इन सबके लिए आवश्यक कागजी कारवाई हो चुकी थी। हॉस्पिटल में एडमिशन और ऑपरेशन आदि के रुपए किसने जमा कराए इसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा था। सभी का ध्यान प्रमुखता से राजन के इलाज पर था। राजन को ऑपरेशन के लिए ऑपरेशन थियेटर में ले गए। वह युवक निश्चिंत होकर ऑपरेशन थियेटर के बाहर कॉरिडोर में चहलकदमी कर रहा था। नेहा वहां एक बैंच पर बैठी हुई अपने बच्चों को इस घटना के बारे में बता रही थी।

कुछ देर बाद नेहा ने उस युवक से पूछा कि यह सब कैसे हुआ को वह युवक कौन है ? उस युवक ने कहा कि मैं भी इनकी तरह इनसे कुछ दूरी पर सड़क पार कर रहा था। मैंने देखा कि एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल वाले ने इन्हे टक्कर मार दी। इनके गिरने और सिर पर चोट लगने से ये बेहोश हो गए। उसी समय पीछे से तेज रफ्तार में आती एक कार इनको सड़क पर गिरे हुए हालत में फिर टक्कर मारकर चली गई। जिससे इनके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गए। तमाशबीन लोग इन्हे संभालने और हॉस्पिटल ले जाने की बजाए इस घटना का वीडियो बनाने में व्यस्त थे।

कोई भी इनकी मदद करने के लिए तैयार नहीं दिखा। वहां से गुजर रहे वाहन और ऑटो टैक्सी वाले तक इन्हे यहां लाने के लिए तैयार नहीं थे। तभी एक कार सवार , जो होम्योपैथी के डॉक्टर थे , ने मदद करी और अपनी कार में यहां छोड़ गए। यहां डॉक्टर्स द्वारा इनके चेकअप के बाद मैं आपको लेने आ गया। आप घबराइए नहीं सब ठीक होगा। ये जल्द ही पूर्णतया स्वस्थ हो जाएंगे। आप भगवान पर विश्वास करिए। भगवान की अनुमति के बिना इस संसार में किसी भी इंसान के साथ कुछ भी घटित होना संभव नहीं है।

समय अपनी रफ्तार से चल रहा था। नेहा को इस अनजान महानगर में अकेले होने से भी डर सा लगने लगा था। उसके दिल और दिमाग में इस घटना , राजन और भविष्य को लेकर तरह तरह के सवाल जन्म लेने लगे थे। जिनका उसके पास कोई जवाब नहीं था। रात के ग्यारह बजे डॉक्टर्स ने बताया कि राजन के सिर में चोट लगने के कारण खून बहने के अलावा ब्रेन में छोटा ब्लड क्लॉट हो गया है। वह इतना गंभीर नहीं है कि ऑपरेशन किया जाए। वह दवाइयों से ठीक हो जाएगा। उनको दोनों पैरों का ऑपरेशन कर दिया है। उन्हे पोस्ट ऑपरेटिव रुम में शिफ्ट कर दिया है। उनकी स्थिति किसी भी खतरे से बाहर है। यह तो आप लोग इन्हे समय रहते हॉस्पिटल ले आए। वरना सिर से ज्यादा खून बहने से मामला और गंभीर हो जाता। और उस स्थिति में कुछ भी नहीं कहा जा सकता था। होश में आने के बाद आप उनसे मिल सकते हैं। लेकिन मरीज की स्थिति को देखते हुए ज्यादा बातचीत न करें। कुछ दिन इन्हे हॉस्पिटल में रहना पड़ेगा। उनका ध्यान रखने के लिए उनके पास नर्सिंग स्टाफ हमेशा रहेगा। नेहा कुछ पूछती डॉक्टर्स वहां से चले गए। नेहा की आंखों से खुशी के आंसू उसके चेहरे पर ढुलक गए।

रात के तीन बज रहे थे। रुम के बाहर बैंच पर बैठी नेहा की आंखों से नींद कोसों दूर थी। वह मन ही मन में भगवान का स्मरण करते हुए राजन के होश में आने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। वह युवक अपने चेहरे पर बिना कोई भाव लाए अभी भी कॉरिडोर में चहलकदमी कर रहा था। नेहा उससे उसके बारे में सब कुछ जान लेना चाहती थी। युवक के कपड़ों पर लगे खून के निशान देखकर उसके दिमाग में सवालों का अजीब सा बवंडर उठा हुआ था। इससे पहले कि वह युवक से कुछ पूछती नर्स ने आकर कहा कि राजन को होश आया गया है। नेहा ने उस युवक से कहा और खुशी से पोस्ट ऑपरेटिव रुम में चली गई। उसके पीछे युवक भी वहां पहुंच गया। नेहा की आंखें नम हो गईं।उसने राजन के हाथ को धीरे से पकड़ लिया। युवक ने पास आकर राजन को ध्यान से देखा। युवक के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई। उसने राजन के सिर को छुआ और रुम से बाहर आ गया।

कुछ ही देर बाद नर्स ने नेहा को रुम से बाहर जाने को कहा। नेहा ने बाहर आकर देखा तो उसे वह युवक कहीं नजर नहीं आया। वह भैया - भैया कहते हुई उसे ढूंढने लगी। उसने हॉस्पिटल के सारे कॉरिडोर हर कोना छान मारा उसे वह युवक कहीं नहीं दिखा। उसने वहां के रिसेप्शन पर राजन के यहां आने और उस युवक के बारे में जानकारी चाही तो पता चला कि राजन को गंभीर घायल अवस्था में वही युवक यहां लेकर आया था। उसने अपना एड्रेस भी लिखवाया था। राजन के यहां एडमिशन , ऑपरेशन और इलाज की दवाइयों का पैसा तक उस युवक ने एडवांस जमा कर दिया था। नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि नेहा के हॉस्पिटल में रुकने और रहने के लिए उस युवक ने एक अटेंडेंट रुम भी बुक कराया हुआ था। यह जानकर वह आश्चर्यचकित रह गई।लेकिन रजिस्टर देखने पर पता चला कि उस युवक से सम्बंधित कोई भी जानकारी अब नजर नहीं आ रही थी। रिसेप्शन के किसी भी रिकॉर्ड , कम्प्यूटर और हॉस्पिटल के सीसी कैमरों में उस युवक के बारे में कुछ भी नहीं था। यहां तक कि राजन को हॉस्पिटल में कौन लेकर आया यह तक सीसी कैमरों में नहीं था। राजन के हॉस्पिटल में आने के समय मौजूद स्टाफ , नर्सिंग स्टाफ और ड्यूटी डॉक्टर ने यही बताया कि लाल कपड़े पहने एक बीस से पच्चीस वर्ष के बीच की आयु का युवक राजन को हॉस्पिटल लेकर आया था और सारी जरुरी कारवाई उसी ने करी थी।

यह सब देखकर और सुनकर नेहा के शरीर में कंपकंपी होने लगी। वह अचम्भे में पड़ गई और सोचने लगी कि राजन को मौत के मुंह से बचाने वाला वह युवक कौन है ? उसका राजन और नेहा से क्या रिश्ता है ? अचानक वह युवक कहां चला गया ? उस युवक ने नेहा से अपनी पहचान क्यों छुपाई ? उसे कैसे पता चला कि सुंदरकांड का पाठ पढ़ रही नेहा कौन है , कौन से मंदिर में है ? और नेहा ही राजन की पत्नी है ? आखिरकार वह युवक कौन है ? नेहा बिना उसे और बिना सच्चाई जाने क्यों उसके साथ चली आई ? वह अनजान युवक इस अनजान शहर में उसे कहीं और ले जाता तो ?

दोपहर तक बच्चों के आने के बाद वह उस घटनास्थल पर गई जहां राजन का एक्सीडेंट हुआ था। वहां आस पास के लोगों से यह तो पता चला कि लाल कपड़े पहने हुए एक युवक राजन को किसी कार में हॉस्पिटल लेकर गया था , लेकिन वह युवक कौन था यह कोई नहीं जानता था। उस समय वहां मौजूद जिन लोगों के पास इस घटना का वीडियो था उसमें वह युवक कहीं नजर नहीं आ रहा था। यह सब जानकर नेहा और ज्यादा हैरान और परेशान हो गई। राजन के स्वास्थ्य में सुधार होने और बच्चों के अपने - अपने शहर जाने के बाद होटल का कमरा छोड़कर नेहा हॉस्पिटल के अटेंडेंट रुम में आ गई थी। उसने राजन को भी यह बात बताई। लेकिन राजन को इस दुर्घटना और उस युवक के बारे में कुछ भी पता नहीं था।

राजन के स्वास्थ्य में सुधार होने के साथ नेहा के कहने पर उसे कॉटेज वार्ड में शिफ्ट कर दिया था। कुछ दिनों में ही राजन को यहां से डिस्चार्ज होने के बाद अपने शहर वापिस जाना था। वह युवक कौन था ? वह उस रात के बाद वापिस क्यों नहीं आया ? यह सब सोचते हुए नेहा की कब आंख लग गई उसे पता ही नहीं चला। अचानक उसकी आंख खुली तो देखा रुम की दीवार पर लगी घड़ी की सुइयां रात के तीन बजा रही थी। वह हड़बड़ाकर उठी और दरवाजा खोलकर कॉरिडोर में भैया - भैया बुलाते हुए इधर उधर देखने लगी। वहां दूर - दूर तक कोई नजर नहीं आ रहा था। रुम में आकर उसने देखा कि उसकी आवाज सुनकर राजन की नींद खुल गई थी। वह राजन के सिरहाने बैठकर उसका सिर सहलाते हुए ऊपर की ओर देखकर नम आंखों से अपने आप से पूछने लगी वो कौन था ......?

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

हर काल, हर हाल !

संध्या समय प्राय: बालकनी में मालाजप या ध्यान के लिये बैठता हूँ। देखता हूँ कि एक बड़ी-सी छिपकली दीवार से चिपकी है। संभवत: उसे मनुष्य में काल दिखता है। मुझे देखते ही भाग खड़ी होती है। वह भागकर बालकनी के कोने में दीवार से टिकाकर रखी इस्त्री करने की पुरानी फोल्डिंग टेबल के पीछे छिप जाती है।

बालकनी यूँ तो घर में प्रकाश और हवा के लिए आरक्षित क्षेत्र है पर अधिकांश परिवारों की बालकनी का एक कोना पुराने सामान के लिये शनै:-शनै: आरक्षित हो जाता है। इसी कोने में रखी टेबल के पीछे छिपकर छिपकली को लगता होगा कि वह काल को मात दे आई है। काल अब उसे देख नहीं सकता।

यही भूल मनुष्य भी करता है। धन, मद, पद के पर्दे की ओट में स्वयं को सुरक्षित समझने की भूल। अपने कथित सुरक्षा क्षेत्र में काल को चकमा देकर जीने की भूल। काल की निगाहों में वह उतनी ही धूल झोंक सकता है जितना टेबल के पीछे छुपी छिपकली।

एक प्रसिद्ध मूर्तिकार अनन्य मूर्तियाँ बनाता था। ऐसी सजीव कि जिस किसीकी मूर्ति बनाये, वह भी मूर्ति के साथ खड़ा हो जाय तो मूल और मूर्ति में अंतर करना कठिन हो। समय के साथ मूर्तिकार वृद्ध हो चला। ढलती साँसों ने काल को चकमा देने की युक्ति की। मूर्तिकार ने स्वयं की दर्जनों मूर्तियाँ गढ़ डालीं। काल की आहट हुई कि स्वयं भी मूर्तियों के बीच खड़ा हो गया। मूल और मूर्ति के मिलाप से काल सचमुच चकरा गया। असली मूर्तिकार कौनसा है, यह जानना कठिन हो चला। अब युक्ति की बारी काल की थी। ऊँचे स्वर में कहा, 'अद्भुत कलाकार है। ऐसी कलाकारी तो तीन लोक में देखने को नहीं मिलती। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकार ने इतनी बड़ी भूल कैसे कर दी? मूर्तिकार ने तुरंत बाहर निकल कर पूछा, कौनसी भूल? काल हँसकर बोला, स्वयं को कालजयी समझने की भूल।

दाना चुगने से पहले चिड़िया अनेक बार चारों ओर देखती है कि किसी शिकारी की देह में काल तो नहीं आ धमका? ...चिड़िया को भी काल का भान है, केवल मनुष्य बेभान है। सच तो यह है कि काल का कठफोड़वा तने में चोंच मारकर भीतर छिपे कीटक का शिकार भी कर लेता है। अनेक प्राणी माटी खोदकर अंदर बसे कीड़े-मकोड़ों का भक्षण कर लेते हैं। काल, हर काल में था, काल हर काल में है। काल हर हाल में रहा, काल हर हाल रहेगा। काल से ही कालचक्र है, काल ही कालातीत है। उससे बचा या भागा नहीं जा सकता। थोड़े लिखे को अधिक बाँचना, बहुत अधिक गुनना।

बोध कथा

अकबर का साला

अकबर का साला हमेशा से ही बीरबल की जगह लेना चाहता था। अकबर जानते थे कि बीरबल की जगह ले सके ऐसा बुद्धिमान इस संसार में कोई नहीं है। फिर भी जोरू के भाई को वह सीधी 'ना' नहीं बोल सकते थे। ऐसा कर के वह अपनी लाडली बेगम की बेरुखी मोल नहीं लेना चाहते थे। इसीलिए उन्होने अपने साले साहब को एक कोयले से भरी बोरी दे दी और कहा कि- जाओ और इसे हमारे राज्य के सबसे मक्कार और लालची सेठ सेठ दमड़ीलाल को बेचकर दिखाओ , अगर तुम यह काम कर गए तो तुम्हें बीरबल की जगह वज़ीर बना दूंगा। अकबर की इस अजीब शर्त को सुन कर साला अचंभे में पड़ गया। वह कोयले की बोरी ले कर चला तो गया। पर उसे पता था कि वह सेठ किसी की बातो में नहीं आने वाला ऊपर से वह उल्टा उसे ही चूना लगा देगा। हुआ भी यही सेठ दमड़ीलाल ने कोयले की बोरी के बदले एक ढेला भी देने से इनकार कर दिया।

साला अपना सा मुंह लेकर महल वापस लौट आया और अपनी हार स्वीकार कर ली. अब अकबर ने वही काम बीरबल को करने को कहा। बीरबल कुछ सोचे और फिर बोले कि सेठ दमड़ीलाल जैसे मक्कार और लालची सेठ को यह कोयले की बोरी क्या मैं सिर्फ कोयले का एक टुकड़ा ही दस हज़ार रूपये में बेच आऊंगा। यह बोल कर वह तुरंत वहाँ से रवाना हो गए। सबसे पहले उसने एक दरज़ी के पास जा कर एक मखमली कुर्ता सिलवाया। हीरे-मोती वाली मालाएँ गले में डाली। महंगी जूती पहनी और कोयले को बारीक सुरमे जैसा पिसवा लिया। फिर उसने पिसे कोयले को एक सुरमे की छोटी चमकदार डिब्बी में भर लिया। इसके बाद बीरबल ने अपना भेष बदल लिया और एक मेहमानघर में रुक कर इश्तिहार दे दिया कि बगदाद से बड़े शेख आए हैं। जो करिश्माई सुरमा बेचते हैं। जिसे आँखों में लगाने से मरे हुए पूर्वज दिख जाते हैं और यदि उन्होंने कहीं कोई धन गाड़ा है तो उसका पता बताते हैं। यह बात शहर में आग की तरह फ़ैली।

सेठ दमड़ीलाल को भी ये बात पता चली। उसने सोचा ज़रूर उसके पूर्वजों ने कहीं न कहीं धन गाड़ा होगा। उसने तुरंत शेख बने बीरबल से सम्पर्क किया और सुरमे की डिब्बी खरीदने की पेशकश की। शेख ने डिब्बी के 20 हज़ार रुपये मांगे और मोल-भाव करते-करते 10 हज़ार में बात तय हुई। पर सेठ भी होशियार था, उसने कहा मैं अभी तुरंत ये सुरमा लगाऊंगा और अगर मुझे मेरे पूर्वज नहीं दिखे तो मैं पैसे वापस ले लूँगा। बीरबल बोला, बिलकुल आप ऐसा कर सकते हैं, चलिए शहर के चौराहे पर चलिए और वहां इसे जांच लीजिये। सुरमे का चमत्कार देखने के लिए भीड़ इकठ्ठा हो गयी। तब बीरबल ने ऊँची आवाज़ में कहा, ये सेठ अभी ये चमत्कारी सुरमा लगायेंगे और अगर ये उन्ही की औलाद हैं जिन्हें ये अपना माँ-बाप समझते हैं तो इन्हें इनके पूर्वज दिखाई देंगे और गड़े धन के बारे में बताएँगे। लेकिन अगर आपके माँ-बाप में से किसी ने भी बेईमानी की होगी और आप उनकी असल औलाद नहीं होंगे तो आपको कुछ भी नहीं दिखेगा। और ऐसा कहते ही बीरबल ने सेठ की आँखों में सुरमा लगा दिया। फिर क्या था, सिर खुजाते हुए सेठ ने आँखें खोली। अब दिखना तो कुछ था नहीं, पर सेठ करे भी तो क्या करे! अपनी इज़्ज़त बचाने के लिए सेठ ने दस हज़ार बीरबल के हाथ थमा दिये। और मुंह फुलाते हुए आगे बढ़ गए। बीरबल फ़ौरन अकबर के पास पहुंचे और रुपये थमाते हुए सारी कहानी सुना दी। अकबर का साला बिना कुछ कहे अपने घर लौट गया। और अकबर-बीरबल एक दूसरे को देख कर मंद-मंद मुसकाने लगे। इस किस्से के बाद फिर कभी अकबर के साले ने बीरबल का स्थान नहीं मांगा।

वीर गाथा

मेजर अमनदीप जाखड़ : ग्रेनेड धमाकों के बीच लगाई जान की बाज़ी, 5 आतंकवादियों को पहुंचाया परलोक

मेजर अमनदीप जाखड़ का जन्म हरियाणा के झज्जर जिले के धनिरवास गांव में हुआ था। माता सरोज देवी और पिता बेदराम जाखड़ के बेटे अमनदीप सिक्ख रेजिमेंट की चौथी बटालियन के वीर योद्धा हैं। मेजर अमनदीप 15 जून, 2023 को एलओसी के पास कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में तैनात थे। सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादियों का एक समूह इस इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर सकता है।

16 जून को अमनदीप और साथी जवानों ने आतंकवादियों पर हमला किया तो उन्होंने टीम पर गोलीबारी करते हुए वहां से भागने की कोशिश की। अमनदीप ने अपनी जान की परवाह न करते हुए भारी गोलीबारी के बीच उन आतंकवादियों का पीछा किया। इस दौरान एक आतंकवादी से उनकी भिड़ंत हुई। उन्होंने उसे मुकाबले में उलझाए रखा और आखिरकार उसका खात्मा कर दिया।

यह देखकर दूसरा आतंकवादी डर गया। वह एक पेड़ के पीछे छिप गया और उसने ग्रेनेड से हमला किया। इससे सेना के जवानों को खतरा हो सकता था। अमनदीप ने एक बार फिर अपनी जान दांव पर लगाई और उस आतंकवादी के बहुत नजदीक पहुंच गए। उन्हें देखकर आतंकवादी और ज्यादा घबरा गया। वह हमला करने के लिए सामने आया और इसी दौरान एक जवान ने उसे धराशायी कर दिया।

उस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने पांच विदेशी आतंकवादियों को ढेर किया था। यह अमनदीप की कुशल रणनीति के कारण संभव हुआ। मेजर अमनदीप जाखड़ ने अदम्य साहस दिखाते हुए जिस तरह अपने जवानों का नेतृत्व किया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रीलंका में बंदूक हिंसा पर कार्रवाई में 300 से अधिक लोग गिरफ्तार

कोलंबो/भाषा। बंदूक हिंसा पर अंकुश लगाने और आपराधिक नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से श्रीलंकाई अधिकारियों ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। कोलंबो के उत्तरी उपनगरीय क्षेत्र में रात भर के एक समन्वित अभियान के दौरान 300 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि चार जुलाई की रात चलाए गए संयुक्त अभियान में श्रीलंका पुलिस, विशेष कार्यबल, सेना और नौसेना के जवान शामिल थे।

विज्ञप्ति के अनुसार, अभियान के दौरान कथित तौर पर मादक पदार्थों से संबंधित तथा अन्य अपराधों में शामिल 300 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

इसमें यह भी कहा गया कि अभियान का लक्ष्य माफिया और मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों को खत्म करना है। यह कार्रवाई बंदूक हिंसा से संबंधित घटनाओं में वृद्धि को लेकर बढ़ती सार्वजनिक चिंता के बीच की गई। विपक्षी दलों ने दावा किया है कि जनवरी से अब तक बंदूक हिंसा के 60 से अधिक मामलों में 40 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सरकार इन हत्याओं के अधिकतर मामलों के लिए मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल आपराधिक समूहों के बीच आंतरिक विवादों को जिम्मेदार मानती है।

नागपुर में शनिवार को मुहर्रम से पहले बाघ के रूप में चित्रित एक बालक।

हम एकजुट रहने के लिए साथ आए हैं : राज ठाकरे

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि वह और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे एकजुट रहने के लिए साथ आए हैं। दोनों चचेरे भाईयों ने मराठी पहचान और हिंदी भाषा थोपने के खिलाफ दो दशक के बाद पहली बार शनिवार को राजनीतिक मंच एक साथ नजर आए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार द्वारा हिंदी भाषा संबंधी सरकारी आदेश (जीआर)वापस लिए जाने का जश्न मनाने के लिए वर्ली में आयोजित 'विजय' रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ने आगामी नगर निकाय चुनाव साथ मिलकर लड़ने का संकेत दिया।

यहां के एनएससीआई डोम में आयोजित रैली में भारी भीड़ की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा, हम एकजुट रहने के लिए एक साथ आए हैं। हम एक साथ मिलकर बृह्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी)और महाराष्ट्र में सत्ता हासिल करेंगे।

मुंबई के प्रतिष्ठित नगर निकाय को शिवसेना अपना गढ़ और गृहक्षेत्र मानती है, तथा अन्य नगर निकाय चुनाव आगामी महीनों में होने वाले हैं। उद्धव से पहले रैली को संबोधित करते हुए राज ने चुटकी ली और कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दोनों चचेरे भाइयों को एक साथ लाकर वह काम कर दिया है जो शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे और अन्य लोग नहीं कर सके। चचेरे भाई के

साथ मतभेदों के कारण शिवसेना छोड़ने के बाद राज ठाकरे ने वर्ष 2005 में मनसे का गठन किया और इसे भूमिपुत्रों के हितों के सच्चे हिमायती के रूप में पेश किया। इस अवधि के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में अपना विस्तार किया और 2022 में शिवसेना को विभाजित करने वाले एकनाथ शिंदे और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ हाथ मिलाया। पिछले चार महीनों में ठाकरे बंधुओं के एकसाथ आने की मांग तेज हो गई थी। दोनों ठाकरे बंधुओं के साथ आने के लिए त्रि-भाषा नीति और तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को शामिल करने के मामले में राज्य सरकार का ढुलमुल रवैया एक साझा आधार साबित हुआ।

माना जा रहा है कि अलग हुए दोनों चचेरे भाइयों के एक साथ आने से न केवल दोनों दलों के कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा बल्कि इससे दोनों दलों को भी संजीवनी मिल सकती है, जो पिछले साल विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पिछले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना(उबाठा)को महज 20 सीट मिली थीं जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 57 सीटें मिलीं। मनसे का खाता भी नहीं खुला। मनसे अध्यक्ष ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि राज्य सरकार द्वारा लागू किया गया त्रिभाषा फार्मूला, मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की उनकी योजना की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रस्तावित विरोध मार्च के मद्देनजर ही विवादास्पद जीआर वापस लेना पड़ा। सरकारी आदेश को रद्द कर दिया गया जिसके बाद ठाकरे बंधुओं ने 'विजय' रैली आयोजित की। राज ठाकरे ने आशंका जताई कि भाषा विवाद के बाद सरकार का राजनीति में अगला कदम लोगों को जाति के आधार पर बांटना होगा। उन्होंने आरोप लगाया किया, भाजपा की चाल फूट डालो और राज करो की है। विपक्ष ने राज ठाकरे पर बेटे को 'कॉन्वेंट में शिक्षा' दिलाने को लेकर कटाक्ष किया है। इसे खारिज करते हुए मनसे अध्यक्ष ने कहा कि दक्षिण भारत में कई नेता और फिल्मी सितारे अंग्रेजी स्कूलों में पढ़े हैं, लेकिन उन्हें तमिल और तेलुगु भाषाओं पर गर्व है।

विपक्ष अक्सर राज और उद्धव पर उनके बेटों क्रमश: अमित और आदित्य की कॉन्वेंट स्कूली शिक्षा को लेकर निशाना साधता रहा है।

शुक्ला ने आईएसएस पर हड्डियों के स्वास्थ्य और विकिरण जोखिम का अध्ययन किया

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 मिशन के अन्य यात्रियों ने एक दिन के अवकाश के बाद शनिवार को अध्ययन किया कि हड्डियां सूक्ष्मगुरुत्व स्थितियों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया करती हैं। यह एक ऐसा प्रयोग है, जिससे पृथ्वी पर ऑस्टियोपोरोसिस के बेहतर इलाज की संभावना बढ़ सकती है।

शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत 26 जून को आईएसएस पर पहुंचे थे। उन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन पर एक सप्ताह पूरा कर लिया है और एक दिन का अवकाश लिया था, जिसे उन्होंने धरती पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत कर बिताया। उड़ान के दसवें दिन, शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर विकिरण जोखिम की निगरानी के लिए एक प्रयोग में भी हिस्सा लिया, जो पृथ्वी से दूर लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशनों पर अंतरिक्ष यात्रियों की बेहतर सुरक्षा में मदद कर सकता है। एक्सिओम-4 (एक्स-4) चालक दल में शुक्ला (39) और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। इस मिशन में अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पेग्गी व्हिटसन कमांडर हैं, शुक्ला पायलट हैं तथा पोलैंड के अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज़्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कापू मिशन विशेषज्ञ हैं। एक्सिओम स्पेस ने एक बयान में कहा, शुक्ला ने अंतरिक्ष सूक्ष्म शैवाल जांच के लिए नमूने तैनात किये। ये छोटे जीव एक दिन अंतरिक्ष में जीवन को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, भोजन, ईंधन और यहां तक कि सांस लेने योग्य हवा भी प्रदान कर सकते हैं।

इन अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस पर हड्डियों के प्रयोग में हिस्सा लिया, जिससे यह जानकारी मिली कि अंतरिक्ष में हड्डियां किस प्रकार खराब होती हैं और पृथ्वी पर वापस आने पर वे किस प्रकार ठीक हो जाती हैं। एक्सिओम स्पेस ने कहा कि हड्डियों के निर्माण, सूजन और वृद्धि से संबंधित जैविक मार्कर का विश्लेषण करके, शोधकर्ता एक 'डिजिटल ट्विन' का निर्माण कर रहे हैं।

सभी भारतीय भाषाएं बेहतरीन, मैं सबसे पहले भारतीय हूं : शरद केलकर

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्मों के मशहूर अभिनेता शरद केलकर ने भारत के राज्यों के बीच बढ़ते भाषा विवाद पर अपनी राय रखी। अभिनेता शरद केलकर ने आईएएनएस से बात की और बताया कि वे राजनीति से दूर रहना पसंद करते हैं, और वह देश भर में बोली जाने वाली सभी खूबसूरत भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं राजनीतिक मामलों में नहीं पड़ना चाहता। मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझसे अभिनय के बारे में पूछें और मैं बात करूंगा। मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि सभी भारतीय भाषाएं बेहतरीन हैं। मैं सबसे पहले भारतीय हूं। अभिनेता जल्द ही एक शो में नजर आएंगे। इसमें उनको मिलने वाली फीस को लेकर भी चर्चा है। बातचीत में अभिनेता से जब पूछा गया कि क्या वह अपकमिंग शो में सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता हैं, तो

उन्होंने कहा, मैं काफी समय से काम कर रहा हूं। मैंने अपने लिए वह जगह बनाई है और हां मैं इसलिए ज्यादा फीस लेता हूं। इसमें मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ अलग हैं। अगर कोई अच्छा कमा रहा है तो लोगों को खुशी होनी चाहिए, जलन नहीं। यह उपलब्धि का संकेत है। अगर कोई अभिनेता टीवी में वापसी करता है तो इसका मतलब उसका बहुत महत्व है। कोई आपको सिर्फ पुरानी यादों के लिए वापस नहीं बुला रहा है - आपको कुछ पेश करना होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि टेलीविजन के मौजूदा शो अब क्यों नहीं चलते हैं, क्यों अभिनेता घर-घर में अपना नाम नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने कहा, दर्शकों का अब देखने का नजरिया बदल गया है। ओटीटी अब नए शो और प्लेटफॉर्म लेकर आया है। पहले शो सालों तक चलते थे और किरदार लोगों के दिलों में बस जाते थे। अब शो छोटे होते हैं और लोग जल्दी आगे बढ़ जाते हैं। वहीं कई अभिनेताओं का मानना है कि उन्हें पहचान नहीं मिल रही है, लेकिन मुझे लगता है कि किरदार मशहूर होते हैं, अभिनेता खुद नहीं। मुझे नाहर सिंह, बैरी बी., ठाकुर, और डॉ. आशुतोष - सभी किरदारों के नाम से जाना जाता रहा है। उन्होंने आगे कहा, अगर आप खुद को लगातार अपडेट करते रहते हैं और हर बार एक नया किरदार पेश करते हैं, तो लोग हमेशा आपको याद रख सकते हैं।

रणवीर सिंह और श्वेता त्रिपाठी एक्टिंग से पर्दे पर धाक जमाने वाले सितारे

मुंबई/एजेन्सी

छह जुलाई का दिन बॉलीवुड के दो चमकते सितारों, रणवीर सिंह और श्वेता त्रिपाठी के लिए खास है, क्योंकि दोनों का जन्मदिन है। जहां रणवीर की एनर्जी और दमदार अभिनय ने उन्हें इंडस्ट्री का 'एनर्जी बंडल' बना दिया है। वहीं, 'मसान' फेम श्वेता की संवेदनशील और गहरी अभिनय शैली ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। 6 जुलाई 1985 को मुंबई में जन्मे रणवीर सिंह ने अपनी बिंदास शख्सियत और दमदार अभिनय से बॉलीवुड में तहलका मचा दिया। इंडियाना यूनिवर्सिटी से पढ़ाई पूरी करने के बाद रणवीर ने विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा, लेकिन उनका सपना हमेशा सिनेमा था। साल 2010 में यशराज फिल्म्स की 'बैंड बाजा बारात' से डेब्यू करते ही उन्होंने फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू अवॉर्ड जीता। 'लुटेरा' में उनके चोर, 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' में जिद्दी आशिक, 'बाजीराव मस्तानी' में योद्धा बाजीराव और 'पद्मावत' में क्रूर अलाउद्दीन खिलजी जैसे किरदारों ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को पर्दे पर पेश किया। संजय लीला भंसाली के साथ उनकी जोड़ी ने हर बार पर्दे पर जादू बिखेरा। उनकी हालिया चर्चा 'धुरंधर' को लेकर है, जो एक स्पाई थ्रिलर है और उनके जन्मदिन पर इसका टीजर रिलीज होने की उम्मीद है। निजी जिंदगी में रणवीर, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ अपने रिश्ते और खुशमिजाज अंदाज के लिए जाने जाते हैं। साल 2018 में उन्होंने एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के साथ शादी की। सिंधी परिवार से ताल्लुक रखने वाले रणवीर को एक बेटी है, जिसका नाम दुआ है। उन्होंने 'गली बॉय' और '83' जैसी फिल्मों में अलग-अलग किरदारों को निभाया। उन्हें वर्सेटाइल एक्टिंग और स्टाइल ने बॉलीवुड के टॉप स्टार में से एक बना दिया है। अब बात करते हैं श्वेता त्रिपाठी की। उनका जन्म 6 जुलाई 1985 को नई दिल्ली में हुआ। उन्होंने 'मसान' में 'शालू गुप्ता' के किरदार से दर्शकों का दिल जीता। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से पढ़ाई के बाद उन्होंने मुंबई में थिएटर और प्रोडक्शन में काम शुरू किया। 'क्या मस्त है लाइफ' में 'जेनिया खान' के किरदार से टीवी पर शुरुआत करने वाली श्वेता ने 'हरामखोर', 'गॉन केश' और 'मिर्जापुर' में अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया। 'मिर्जापुर' में उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने महिला किरदारों की नई परिभाषा गढ़ी। हाल ही में उन्होंने एक महिला-प्रधान लव स्टोरी को अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत लॉन्च किया। श्वेता अपनी नेचुरल एक्टिंग और किरदारों में गहराई लाने के लिए मशहूर हैं। 'ये काली काली आंखें' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीता। वह छोटे और प्रभावशाली किरदारों से पर्दे पर छा जाती हैं। श्वेता ने 2018 में रैपर चैतन्य शर्मा (स्लो चीता) से गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की।

आर. माधवन का विनम्रता अंदाज हुआ वायरल

मुंबई/एजेन्सी

कुछ अभिनेता ऐसे होते हैं जो जैसे ही कमरे में प्रवेश करते हैं, सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं और फिर आर. माधवन हैं, जो केवल अपनी उपस्थिति, सहजता और संजीदगी से दिल जीत लेते हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान आर. माधवन और उनकी सह-अभिनेत्री फातिमा सना शेख का एक वीडियो इसी वजह से लोगों का दिल जीत रहा है। इस क्लिप में देखा जा सकता है कि माधवन बेहद सहजता से एक कदम पीछे हटते हैं, और फातिमा को मीडिया इंटरैक्शन के दौरान मंच का केंद्र बनने देते हैं यह एक छोटा सा लेकिन बेहद मायने रखने वाला इशारा है। न कोई दिखावा, न कोई शब्दों का शोर सिर्फ सम्मान और सहज अनुग्रह। यह कोई पहली बार नहीं है।

पिछले कई वर्षों से आर. माधवन को न केवल उनकी अभिनय क्षमता के लिए, बल्कि पर्दे के बाहर उनके व्यवहार और व्यक्तित्व के लिए भी काफी सराहा गया है। वह केवल एक किरदार नहीं निभाते, बल्कि पूरी प्रक्रिया में योगदान देते हैं। वह कैमरे पर हावी होने की कोशिश नहीं करते, बल्कि

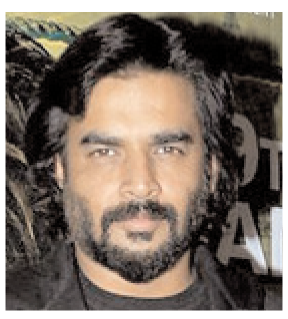

दूसरों को भी बराबरी से मौका देते हैं। चाहे फिल्मों में उनका गंभीर अभिनय हो या उनका व्यक्तिगत गरिमामय व्यवहार माधवन हमेशा कहानी और अपने सह-अभिनेताओं को प्राथमिकता देते हैं।

'शैतान' और 'केसरी चैप्टर 2' में उनके शानदार और रोमांचकारी अभिनय के बाद दर्शक उन्हें 'आप जैसा कोई' में देखने के लिए उत्सुक हैं, उनका यह शांत भाव हमें याद दिलाता है कि आर. माधवन को आज भी इतना सम्मान क्यों मिलता है। वह जहाँ भी जाते हैं, विनम्रता साथ लेकर चलते हैं। और एक ऐसी दुनिया में जहाँ अक्सर ऊँची आवाज़ को ही मूल्यवान समझ लिया जाता है, आर. माधवन का यह शांत, स्थिर और उदार अंदाज़ वाकई में क्रांतिकारी लगता है।

अनुष्ठान

पुरी में शनिवार को श्री गजपति महाराज ने वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के हिस्से के रूप में भगवान जगन्नाथ की वापसी यात्रा, 'बहुदा यात्रा' के दौरान पारंपरिक 'चेरा पहनरा' अनुष्ठान किया।

मैंने 'कन्नप्पा' के किरदार को छह महीने तक जीया : प्रीति मुकुंदन

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस प्रीति मुकुंदन इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'कन्नप्पा' को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं। एक्ट्रेस ने आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया, जिसमें बताया कि उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार को छह महीने तक जीया और महसूस किया। एक्ट्रेस ने बताया कि इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस का धन्यवाद देते हुए लिखा, कभी-कभी जिंदगी में ऐसा समय आता है जब प्यार हमारे आस-पास होता है और शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन फिर भी जताना जरूरी होता है। पिछले कुछ दिन मेरे लिए बिल्कुल ऐसे ही रहे। जो भी लोग मुझे प्यार, सम्मान और अपनापन भेज रहे हैं, आपको पता नहीं कि आपके ये शब्द मुझे कितना खुश कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने छह महीने तक इस किरदार को जीया और महसूस किया, अपनी कला सीखने की कोशिश की और उस समय की भारी शारीरिक मेहनत को सहा। यह देखकर कि मेरी मेहनत आप तक पहुंची है, हर मुश्किल अब आसान लगती है। जब कोई आपके उस काम को देखता है जो आपके दिल से निकला हो, तो वह खास और खूबसूरत होता है। प्रीति मुकुंदन ने कहा, मैं एक्टर के तौर पर सिर्फ दो हफ्ते ही सेट पर थी, और हमारे इंडस्ट्री के कुछ बड़े सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव था, खासकर ऐसे समय में, जब मैं अभी अपनी पहचान बनाने की

कोशिश कर रही हूं। मैं अब भी उन यादों को सोचकर बहुत खुश होती हूं।

अभिनेत्री ने कहा कि इस सफर में उन्हें कई अच्छे और प्रेरणादायक लोग मिले, जिनके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगी। उन्होंने आगे कहा, उन सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मेरे लिए यह सब संभव बनाया। आप सभी का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे प्यार दिखाने और मैसेज करने के लिए समय निकाला। मैं बहुत खुश हूं। आप सबको बहुत सारा प्यार।

काजोल की आने वाली फिल्म 'सरजमीन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल की वाली फिल्म सरज़मीन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कश्मीर में तेजी से हो रहे उथल-पुथल की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म सरज़मीन ,विजय मेनन (पृथ्वीराज सुकुमारन) पर आधारित है, जो एक सम्मानित सेना अधिकारी है, जो अपने कर्तव्य और व्यक्तिगत बलिदान की अडिग भावना के लिए जाना जाता है। मीरा (काजोल), एक मजबूत मां और पत्नी के रूप में, परिवार को एक साथ रखने के लिए संघर्ष करती है। हरमन (इब्राहिम अली खान) एक युवा व्यक्ति की भूमिका में उबलती हुई तीव्रता लाता है, जो यादों और परेशान करने वाली सच्चाइयों के बीच फंस जाता है। सरज़मीन का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। काजोल ने कहा, सरज़मीन में भावनात्मक गहराई की ज़रूरत थी, जिसने एक कलाकार के तौर पर मुझे वाकई आकर्षित किया।

यह भूमिका मेरे लिए बहुत ही व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ी हुई थी। मुझे इब्राहिम को इस तरह के जटिल किरदार में जीवंत होते देखकर खुशी हुई और मैं उसके लिए बहुत उत्साहित हूँ। सरज़मीन में मेरे किरदार में बहुत सारी परतें हैं, वह कहानी का भावनात्मक केंद्र है और कायोज़ की दृष्टि ने इसे एक सम्मोहक तरीके से स्क्रीन पर पेश किया है। मैं फिल्म की रिलीज़ का इंतज़ार कर रहा हूँ निर्देशक कायोज़ ईरानी ने कहा, सरज़मीन एक निर्देशक के तौर पर मेरी पहली फीचर फ़िल्म है और मुझे इस पर बहुत गर्व है।

काजोल मैम, पृथ्वीराज सर और इब्राहिम को निर्देशित करना एक अवास्तविक अनुभव था, उन्होंने अपने किरदारों में इतनी कमज़ोरी लाई और इसने सब कुछ बदल दिया। पृथ्वीराज सुकुमारन ने कहा, जब मैंने सरज़मीन की स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी से मुझे पता था कि यह एक ऐसा किरदार है जिसे मुझे निभाना चाहिए। इस किरदार को निभाने से मुझे ऐसे तरीके मिले जिसकी मैंने उम्मीद नहीं की थी । इसने मेरे विश्वासों को चुनौती दी। मुझे काजोल के साथ काम करने का अविश्वसनीय अवसर भी मिला, जो एक बहुत ही शक्तिशाली अभिनेत्री हैं और इब्राहिम एक बेहतरीन कलाकार हैं। मुझे वाकई उम्मीद है कि सरज़मीन दर्शकों के दिलों को छू लेगी। इब्राहिम अली खान ने अपनी उत्सुकता व्यक्त की और कहा, सरज़मीन एक भावनात्मक मील का पत्थर है जिसे मैं हमेशा अपने साथ लेकर चलूँगा। इसने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, न केवल एक अभिनेता के तौर पर, बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर भी।

मेरा किरदार प्यार, वफ़ादारी और सच्चाई के बीच उलझा हुआ है, और उस भावनात्मक स्पेक्ट्रम को नेविगेट करना सबसे गहन सीखने की अवस्था थी। काजोल मैम और पृथ्वीराज सर को एक्शन में देखना एक ख़ज़ाना था, वे अपनी कला में बहुत शालीन और सहज हैं और इसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कायोज़ ईरानी द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले हीरू यश जौहर, करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित, यह फ़िल्म 25 जुलाई को केवल जियोहॉटस्टार पर रिलीज़ होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | रविवार | 06-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा शनिवार और रविवार के लिए बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो का आगाज वीवी पुरम महावीर धर्मशाला में हुआ जिसमें ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखी गई। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि शनिवार को प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।

चातुर्मास में जप-तप, स्वाध्याय की वृद्धि व खूब धर्माराधना हो : साध्वीश्री पुण्ययशा

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ भवन में साध्वीश्री का हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी सभा आरआर नगर के तत्वावधान में शनिवार को साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने सुबह 11.21 बजे राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ भवन में चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश किया। क्षेत्र में स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर से विहार कर 'मर्यादा रैली' के साथ मधुर संगान एवं जयकारों की दिव्य ध्वनि के साथ साध्वीश्री का आध्यात्मिक मंगल प्रवेश हुआ। जुलूस में श्रावक समाज के साथ-साथ ज्ञानशाला के बच्चों की उल्लेखनीय उपस्थिति थी। साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारे जीवन की सफलता का रहस्य है गुरुकृपा। गुरु का नाम स्मरण कर जो कार्य किया जाता है उस कार्य में गुरु की शक्ति का नियोजन हो जाता है और यह कार्य शीघ्रातिशीघ्र संपन्न और सफलता देने वाला होता है। गुरु अयोग्य को योग्य, कोड़ी को हीरा, पापी को पुनीत बनाते हैं। गुरु कुमति दूर कर सुमति प्रदान करते हैं। गुरु की महिमा बताते हुए साध्वीश्रीजी ने कहा चातुर्मास में तप जप-स्वाध्याय की वृद्धि हो, खूब धर्माराधना हो। यह चातुर्मास ऐतिहासिक और उपलब्धि भरा हो।

इस मौके पर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम मेहर, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु बोथरा एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगणों ने साध्वीश्री का स्वागत किया। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वियों के चातुर्मास हेतु गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आज के दिन को सौभाग्यशाली बताया तथा समग्र श्रावक समाज से अधिक से अधिक आध्यात्मिक लाभ उठाने का आह्वान किया। सभा, तेयुप, तेममं ने आध्यात्मिक भेंट से सजे हुए स्वागत गीत द्वारा साध्वीवृन्द का स्वागत किया। ज्ञानशाला के बच्चों ने मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। प्रवेश के मौके पर महासभा के प्रकाश लोढ़ा, हीरालाल मालू, बहादुर सेठिया, कंचन छाजेड़, लता बाफना, कमल दुगड़, मधु कटारिया, गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, हनुमन्तनगर की मंजू दक, यशवंतपुर के सुरेश बरड़िया, राजाजीनगर के अशोक चौधरी, अनिल दक, टी दासरहली से भगवती लाल मांडोत ने चातुर्मासिक प्रवेश की शुभकामना दी। संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

एक अन्य कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यशाला संग मेगा रक्तदान शिविर कार्यक्रम के बैनर का अनावरण साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में सीपीएस राष्टीर प्रभारी दिनेश मरोठी व अन्य पदाधिकारियों ने तेरापंथ भवन में किया गया।

ब्यावर संघ युवा शाखा के 'एक्स्पो' में ग्राहकों ने जमकर की खरीददारी

बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो के शुभारंभ पर अनेक गणमान्य लोग थे उपस्थित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा शनिवार और रविवार के लिए बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो का आगाज वीवी पुरम महावीर धर्मशाला में हुआ जिसमें ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखी गई। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि शनिवार को प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। एक्स्पो में 125 से अधिक स्टाल्स लगाए गए जिनमें कपड़े, ज्वेलरी, डायमंड्स, इलेक्ट्रोनिक्स, कॉस्मेटिक्स, लेडीज आइटम्स, क्राकरी, चांदी के सामान, आटोमोबाइल्स, खाने पीने के सामान का प्रदर्शन सह बिक्री की गई। एक्स्पो के पहले दिन चिकपेट क्षेत्र के विधायक उदय गरुड़ाचार, मुख्य अतिथि और मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के पंकज बालर, कुशल्स फैशन ज्वेलरी के मनीष गुलेच्छा, मास्कॉट फेब्रिक्स के बाबूलाल गांधी, ब्यावर संघ के महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी, विनय राठौड़, बसवनगुड़ी दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, अग्रवाल समाज के बिपिनराम अग्रवाल, जैन युवा संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा, बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी व वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र सिंघी ने फीता खोलकर और दीप प्रज्वलन कर एक्सपो का शुभारंभ किया। एक्सपो में बेंगलूरु दक्षिण संसदीय क्षेत्र के सांसद तेजस्वी सूर्या और बालोतरा से आए भजन गायक वैभव बाघमार भी उपस्थित थे।

सप्ताहांत में आयोजित इस एक्स्पो में अतिथियों, प्रायोजकों व ग्राहकों ने ग्राहक परिवारों के लिए आयोजित मैजिक शो एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का खूब आनंद किया और खरीददारी की। एक्स्पो कमेटी के प्रतीक गादिया, अरिहंत छाजेड़ , कुणाल मरलेचा, सुनील भंडारी के साथ पूरी युवा कमेटी और महिला शाखा कार्यकारिणी समिति का सहयोग मिला।

प्रायोजकों के सहयोग से एक्स्पो में लक्की डॉ का निकाला गया। संस्था द्वारा सभी अतिथियों का शॉल, माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। युवा साथियों ने रविवार को देखते हुए संभावित ग्राहकों की भीड़ के लिए विशेष व्यवस्था की है।

तेयुप विजयनगर की नवमनोनीत टीम का दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न

नए अध्यक्ष विकास बांठिया ने नई टीम को दिलाई शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हम्पीनगर स्थित टेबा निवास पर साध्वी श्री संयमलता जी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) विजयनगर की वर्ष 2025-26 की नई टीम ने जैन संस्कार विधि से शपथ ग्रहण की। अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। निवृत्तमान अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने नवनियुक्त अध्यक्ष विकास बांठिया को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। तत्पश्चात नए अध्यक्ष विकास बांठिया ने अपनी नई कमेटी की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष प्रदीप बाबेल, पवन बैद, मंत्री योगेश पोरवाड़, सहमंत्री अमित नाहटा, मनीष चावत, कोषाध्यक्ष करण मांडोत, संगठनमंत्री पीयूष ललवानी को पद की शपथ दिलवाई। बाँठिया ने गुरु इंगित की आराधना करते हुए अभातेयुप निर्देशित हर आयाम को सम्पादित करने की बात कही। इस अवसर पर उपस्थित अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, उपाध्यक्ष पवन मांडोत, प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, अणुविभा के संगठन मंत्री राजेश चावत, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल की कार्यकारी अध्यक्षा मंजू गादिया, नई अध्यक्ष महिमा पटावरी, टीपीएफ के विक्रम कोठारी, तेयुप विजयनगर के प्रभारी रोहित कोठारी, महेंद्र टेबा ने शुभकामनाएं दी। साध्वी संयमलता जी ने नई टीम को आशीर्वाद देते हुए युवकों को साथ लेकर, हर छोटे कार्य की सराहना करते हुए आगे बढ़ने की बात कही। इस अवसर पर टीपीएफ वेस्ट के अध्यक्ष ललित बैगानी एवं अन्य संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संजय भटेवरा ने किया। एक अन्य कार्यक्रम में तेयुप विजयनगर द्वारा 17 सितम्बर को आयोजित होने वाले रक्तदान अमृत महोत्सव-2.0 कार्यक्रम का बैनर अनावरण साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा किया गया।

निष्ठावान कार्यकर्ताओं के अभाव में समाज व संगठन बन जाते हैं कमजोर : विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शनिवार को शहर के कच्छी महाजन वाड़ी में विविध मंडलों, संगठनों के युवा कार्यकर्ताओं, महिला व कन्यावर्गों की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हम सभी को सबसे पहले कर्मयोगी बनना चाहिए। काम करना सीखना चाहिए लेकिन फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए। लंबे समय तक आपकी योग्यता अथवा अयोग्यता को छिपाया नहीं जा सकता। योग्यता उभर कर बाहर आएगी और अयोग्यता कभी न कभी आपकी पोल खोल देगी। सबकी आंखों में सदैव धूल नहीं डाली जा सकती।

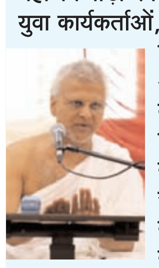

आचार्यश्री ने कहा कि पदाधिकारी बनने की योग्यता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति का सबसे पहले निष्ठावान कार्यकर्ता बनना आवश्यक है। अच्छा बीज ही उपजाऊ भूमि और पानी पाकर, अच्छा वृक्ष बनकर हजारों फल और नए बीज पैदा करता है। कार्यकर्ता की समर्पित भावना और कुशलता ही उसे ऊंचे पदों पर पहुंचाती है। इसके लिए संगठन व समाज में सबसे पहले कार्यकर्ताओं को साहस, शक्ति और मार्गदर्शन देने वाले योग्य नायक चाहिएं। जब कार्यकर्ता के काम और समर्पण की कद्र नहीं होती तो वह हताश हो जाता है। इस प्रकार कार्यकर्ताओं की कमी होने लगती है और धीरे-धीरे वह समाज या संगठन कमजोर बन जाता है। हर एक को पहले अधिकारी नहीं, सेवाभावी कार्यकर्ता बनने की इच्छाशक्ति जगानी चाहिए बिना सेवा-समर्पण के अधिकारी बनने की चेष्टाएं ही असंतोष और विवाद पैदा करती हैं।यह प्रक्रिया मनुष्य की अयोग्यता भी सिद्ध करती है। गणि पद्मविमलसागरजी ने भी कार्यकर्ताओं को अनेक सलाह देते हुए कहा कि जन्म से कोई सब कुछ सीखकर नहीं आता, पल-पल के प्रयत्न और समर्पण भावों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने वर्षावास की तैयारियों की जानकारी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट व आराधना केन्द्र के तत्वावधान में उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी व साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी की प्रेरणा से इटा अपार्टमेन्ट के पास केपी अग्रहारा में नवनिर्मित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के उदघाटन के मौके पर त्रिदिवसीय महोत्सव में शनिवार को ट्रस्टी व लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया। रविवार को सुबह 9 बजे गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र का उदघाटन होगा, साथ ही अतिथि कक्ष लाभार्थी एवं अन्य लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया जाएगा। उद्घाटन के मौके फलेचुंदड़ी का आयोजन भी किया गया है। शाम को भक्ति संध्या में गायक वैभव बागमार प्रस्तुति देंगे। सोमवार को सुबह उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी का चातुर्मास प्रवेश, ध्वजारोहण व संतों का प्रवचन होगा।

केजीएफ तेरापंथ भवन में हुआ भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। शहर के तेरापंथ भवन में साध्वी पावनप्रभा जी के सान्निध्य में भक्तामर स्त्रोत का अनुष्ठान करवाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। साध्वी पावनप्रभाजी ने कहा कि जिस तरह मंत्रों में सर्वश्रेष्ठ मंत्र नमस्कार महामंत्र है, उसी प्रकार स्तोत्रों में महास्तोत्र भक्तामर स्तोत्र' है। जब आचार्य मानतुंग को राजा ने बंदी बनाया था, तब आचार्य मानतुंग ने भगवान ऋषभ देव की स्तुति करते हुए भक्तामर स्तोत्र की रचना की। इस प्रकार आचार्य भद्रबाहु ने उवसर्गहं स्तोत्र की रचना की व आचार्य जयाचार्य पर आपदा आई तभी विघ्न हरण ढाल व भिक्षु म्यारे प्रकटिया ढाल की रचना की। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने सरल भाषा में भक्तामर स्तोत्र व उसके रिद्धि मंत्रों का उच्चारण करवाया। कार्यक्रम में 25 सहजोड़ों ने भाग लिया।

तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा आयोजित विराट 'धम्म जागरण' आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में आचार्यश्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष एवं 266वें तेरापंथ स्थापना दिवस के अवसर पर मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं मुनिश्री आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में आज रविवार को शाम 6 बजे से प्रिंसेस श्राइन सभागार में विराट धम्म जागरण प्रभो ! यह तेरापंथ महान' का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में भुवनेश्वर से आए तेरापंथ समाज के संघ गायक कमल सेठिया भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के प्रायोजक एवं मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक निर्मल कुमार सुराणा परिवार के साथ तेरापंथ समाज की सभा-संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ अनेकों क्षेत्रों से श्रावक श्राविकाओं की उपस्थित रहने की संभावना है। इस आयोजन को लेकर तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने कार्यक्रम स्थल पैलेस ग्राउंड पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया तथा सभी व्यवस्थाओं की पुन: समीक्षा की। मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए सभी से अनुशासन व मर्यादा का ध्यान रखने का निवेदन किया। धम्म जागरण संयोजक नवनीत मुथा ने कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। बैठक में गौतमचंद मुथा, ललित मांडोत, दिनेश पोखरणा, प्रकाश कटारिया, प्रकाश बाबेल, महावीर ओस्तवाल, राजेंद्र बाफना, अनिल पोखरना, दिलीप भंसाली, अशोक श्रीश्रीमाल,सुनील बाफना, रजत बैद, राजेंद्र बैद, दिनेश छाजेड़, प्रवीण नाहर, अभिषेक श्रीश्रीमाल, दीपक बाबेल, सुनील बाबेल, प्रवीण बोहरा, मोहित सुराणा,महेंद्र सकलेचा, राजेश सिसोदिया, रूपचंद देसरला आदि सदस्य उपस्थित थे।

देश भर में चल रहे भाषा विवाद को लेकर लूनावत ने राजस्थान के सांसदों को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में पिछले कुछ समय से अनेक राज्यों में भाषा को लेकर उतर भारतीयों के साथ घोर अन्याय हो रहा है व उनको स्थानीय भाषा नहीं आने से उनके व्यापारिक स्थलों पर जाकर स्थानीय असंतुष्ट तत्व मारपीट कर रहे हैं व नुकसान पहुँचा रहे है। इस बात की निंदा करते हुए प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत ने कहा कि भारत के संविधान में हिंदी भाषा को मातृभाषा का दर्जा दिया हुआ है और मातृभाषा होने से ही तो देश की सबसे बड़ी सभा संसद में भी देश आजादी से लेकर अब तक हिंदी का ही प्रयोग हो रहा है। चूँकि राज्यों के स्थानीय लोग स्थानीय भाषा को लेकर उतर भारतीयों को निशाना बना रहे हैं व रोज़ाना कहीं ना कहीं राज्यों में उनको तकलीफ पहुँचा रहे हैं। समझने की ज़रूरत है कि उनके राज्य के लोग भी तो दूसरे राज्यों में रहते होंगे, उनको उस राज्य की भाषा नहीं आती है तो उस राज्य के लोग उनके साथ कभी जबरदस्ती नहीं करते । उनके साथ भी भाषा के नाम पर वही होने लगे तो क्या होगा? भाषा को लेकर मारपीट की घटनाएं हिंदी भाषी राज्यों में नहीं होती। लूनावत ने देश के अनेक राज्यों में भाषा को लेकर व उत्तर भारतीयों के साथ हो रही ज्यादती को लेकर संसद के मानसून सत्र में विधेयक लाने हेतु राजस्थान के सभी सांसदों को पत्र लिखा है और निवेदन किया है कि संसद में इस मुद्दे को पुरज़ोर तरीक़े से उठाएँ।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

मुनिसुव्रत स्वामी कुमारापार्क संघ में आचार्यश्री अभयशेखरसूरी ने किया चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मुनिसुव्रत स्वामी कुमारापार्क जैन संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी, गणिवर्यश्री गुणहंसविजयजी व साध्वीश्री संस्कारनिधिश्री शनिवार को कुमारापार्क आराधना भवन ने चातुर्मास प्रवेश किया। साधु साध्वियों ने वरघोड़े के साथ मंदिर में प्रवेश किया। सुबह 8 बजे गुरुदेव की निश्रा में मांगलिक, प्रवचन एवं आध्यात्मिक संवाद का आयोजन हुआ। इस मौके पर बेंगलूरु के अलावा कर्नाटक के चित्रदुर्ग, इरोड़, महाराष्ट्र आदि ने संघ सदस्य उपस्थित थे। आचार्यश्री ने भी अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में जिनशासन की साधना और चरित्र का मूल्य बहुत होता है। कार्यक्रम का संचालन अल्पेश गुरु ने किया। कुमारापार्क संघ के अध्यक्ष प्रकाश राठौड़ ने सभी का स्वागत किया तथा चातुर्मास कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com